



श्रमसाधना



हम बनेंगे आपकी आवाज
स्कैन करें और चैनल से जुड़े

shramsadhnagwl@gmail.com

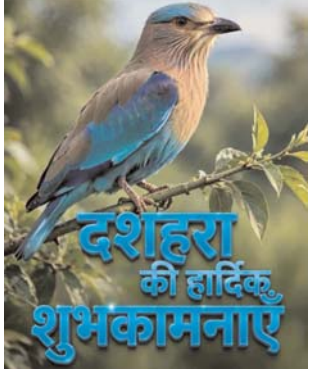
श्रम की शक्ति, राष्ट्र की प्रगति

www.shramsadhnagnews.com

दैनिक सांध्यकालीन
RNI रजि. क्र. 50069/89

वर्ष: 38, अंक: 80 ग्वालियर, मंगलवार 20 अक्टूबर 2026
विक्रम संवत् 2083 पृष्ठ 12, मूल्य 1 रुपया

डाक पंजीयन
L-2-13/समा.पत्र/पं. 40020181/22-23



मानस भवन में मां दुर्गा की पूजा-अर्चना : ग्वालियर जीएनएस। मानस भवन में बंगाली सोशल कल्चर सोसायटी के आयोजन में जीडीए उपाध्यक्ष सुधीर गुप्ता ने मां दुर्गा की पूजा-अर्चना और आरती कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

हनुमान नगर में 33वें नवदुर्गा महोत्सव की धूम, हवन-भंडारे में उमड़े श्रद्धालु

ग्वालियर जीएनएस

शिवाजी मार्ग नंबर-1 स्थित रुद्राक्ष मंदिर के पास हनुमान नगर युवा समिति एवं मशीनरी संघ की ओर से 33वां नवदुर्गा महोत्सव धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाया जा रहा है। महोत्सव में प्रतिदिन रात 8 बजे मां जगदंबे की आरती में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हो रहे हैं। सोमवार को मंदिर परिसर में हवन, कन्या भोज और विशाल भंडारे का आयोजन किया गया।

महोत्सव के दौरान पंजाबी परिषद चंबल संभाग, पंजाबी सेवा समिति और पंजाबी परिषद समिति ग्वालियर के पदाधिकारियों एवं



सदस्यों ने मां दुर्गा की आरती कर पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर पंजाबी परिषद चंबल संभाग के अध्यक्ष कन्हैयालाल आनंद, अशोक सहगल, हरीश सहानी, राजवीर खुराना, पंजाबी सेवा समिति के अध्यक्ष मोहनलाल अरोड़ा, अशोक सुनेजा तथा

पंजाबी परिषद समिति के सचिव गोपाल कृष्ण सूरी और रश्मि सूरी सहित पंजाबी समाज के अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे। हवन एवं पूजा-अर्चना पंडित द्वारकानाथ शर्मा ने कराई। आयोजन में श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा की आराधना कर सुख-समृद्धि की कामना की।

शीतला माता मंदिर हादसा गंभीर घायल कल्पना परिहार को एयरलिफ्ट कर एम्स भोपाल भेजा

ग्वालियर जीएनएस

शीतला माता हादसे में गंभीर रूप से घायल 19 वर्षीय कल्पना परिहार को बेहतर उपचार के लिए मंगलवार सुबह एयर एंबुलेंस से एम्स भोपाल भेजा गया। थाटीपुर निवासी कल्पना के पैरों में फ्रैक्चर और पेट में गंभीर चोटें आई हैं। विशेषज्ञ चिकित्सकों की निगरानी में स्वास्थ्य स्थिर होने के बाद उन्हें भोपाल रेफर किया गया।

प्रशासन के अनुसार, कल्पना को सुबह 10-30 बजे एयरलिफ्ट किया गया। इससे पहले हादसे में घायल 36 वर्षीय संजय शर्मा निवासी करनाल साहब की ड्योढ़ी, ग्वालियर को 19 अक्टूबर की मध्यरात्रि 12-08 बजे एम्स भोपाल शिफ्ट किया गया था। संजय के हाथ-पैरों में फ्रैक्चर की गंभीर चोटें आई हैं।

कलेक्टर रुचिका चौहान के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग के समन्वय से एयर एंबुलेंस की व्यवस्था की गई। इस कार्य में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एमएस



19 वर्षीय युवती के पैरों में फ्रैक्चर और पेट में गंभीर चोटें, हादसे के दूसरे घायल को भी पहले किया जा चुका है शिफ्ट

सागर, जिला स्वास्थ्य अधिकारी एवं एयर एंबुलेंस नोडल अधिकारी डॉ. दीपाली माथुर, जेएचएच अधीक्षक डॉ. सुधीर सक्सेना तथा चिकित्सक डॉ. विवेक कामत, डॉ. विजय धाकड़ और डॉ. विपिन गर्ग का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

शीतला माता मंदिर हादसे में घायल मोतीलाल प्रजापति की मौत

ग्वालियर जीएनएस

शीतला माता मंदिर दुर्घटना में घायल ग्राम सातऊ, गिर्द निवासी 78 वर्षीय मोतीलाल प्रजापति का मंगलवार सुबह निजी अस्पताल में उपचार के दौरान निधन हो गया। उन्हें चोट लगने के बाद परिजन

लिंक अस्पताल में भर्ती कराने ले गए थे। मंगलवार सुबह 6-15 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, चोट के कारण उनकी खून की नस में थक्का जम गया था। इसे चिकित्सा भाषा में सुपरफिशियल फेमोरल थ्रोम्बोसिस

बताया गया है। मोतीलाल प्रजापति को वर्ष 2024 में हृदय संबंधी बीमारी के चलते स्टेंट भी डाला गया था। प्रशासन के अनुसार, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भर्ती होने के दिन से ही निजी अस्पताल में उपचाररत मरीजों की

निगरानी कर रहे थे। सोमवार शाम को भी उन्होंने अस्पताल पहुंचकर मोतीलाल प्रजापति और उनके परिजनों से मुलाकात कर स्वास्थ्य की जानकारी ली थी। इसके बावजूद मंगलवार सुबह उनका निधन हो गया।

कलेक्टर चौहान ने सागरताल पहुंचकर विसर्जन व्यवस्थाओं का लिया जायजा



ग्वालियर जीएनएस

नवदुर्गा महोत्सव के तहत स्थापित देवी प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए जिला प्रशासन ने नगर निगम के माध्यम से सागरताल पर व्यवस्थाएं कीं। सोमवार को कलेक्टर रुचिका चौहान ने सागरताल पहुंचकर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया और संबंधित

अधिकारियों को श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने कहा कि प्रतिमा विसर्जन के दौरान सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जाए। उन्होंने श्रद्धालुओं से भी धैर्य और श्रद्धाभाव के साथ देवी प्रतिमाओं का विसर्जन करने की अपील की।

विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर के मुख्य आतिथ्य में आयोजित हुआ कार्यक्रम वैदिक मंत्रोच्चार के बीच डीआरपी लाइन में हुआ शस्त्र पूजन

ग्वालियर जीएनएस

विजयादशमी के अवसर पर मंगलवार को डीआरपी लाइन स्थित पुलिस शस्त्रागार परिसर में विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर के मुख्य आतिथ्य में शस्त्र पूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच जनप्रतिनिधियों और वरिष्ठ प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों ने यज्ञ में आहुतियां देकर शस्त्रों का पूजन किया। इसके बाद मंगल आरती और शक्ति पूजा की रस्में निभाई गईं। शीतला माता मंदिर के समीप हाल ही में हुई दुर्घटना के चलते इस बार शस्त्र पूजन के बाद हर्ष फायर नहीं किए



गए। विधानसभा अध्यक्ष तोमर ने सभी को विजयादशमी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति और जनमानस में शक्ति को समर्पित इस महापर्व का विशेष महत्व है। विजयादशमी असत्य पर सत्य की विजय के

साथ शक्ति की आराधना का भी पर्व है। उन्होंने माता रानी और ईश्वर से प्रार्थना की कि यह पर्व देश को और अधिक सशक्त, समृद्ध एवं यशस्वी बनाए। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर प्रदेश में शासन और समाज की सहभागिता

से विजयादशमी पर शस्त्र पूजन का आयोजन किया गया। राज्य शासन के निर्देशों के तहत ग्वालियर में जिला स्तरीय मुख्य कार्यक्रम डीआरपी लाइन में आयोजित हुआ।

कार्यक्रम में एपेक्स बैंक के प्रशासक महेंद्र यादव, ग्वालियर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष मधुसूदन सिंह भदौरिया, मेला प्राधिकरण के अध्यक्ष अशोक जादौन, भाजपा जिला अध्यक्ष जयप्रकाश राजोरिया, पूर्व विधायक रामबरन गुर्जर, साडा उपाध्यक्ष हरीश मेवाफरोश, मेला उपाध्यक्ष उदयवीर सिंह गुर्जर और जीडीए उपाध्यक्ष सुधीर गुप्ता सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

महापौर, निगमायुक्त और अध्यक्ष ने दी विजयादशमी की शुभकामनाएं, स्वच्छ ग्वालियर बनाने का किया आह्वान

ग्वालियर जीएनएस

महापौर डॉ. शोभा सतीश सिकरवार, नगर निगम आयुक्त अभिषेक चौधरी और नगर निगम अध्यक्ष मनोज तोमर ने शहरवासियों को विजयादशमी (दशहरा) की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने नागरिकों से पर्व के अवसर पर बुराई पर अच्छाई और असत्य पर सत्य की जीत के संदेश को आत्मसात करने के साथ ग्वालियर को स्वच्छ, सुंदर और विकसित शहर बनाने में सहयोग करने की अपील की।



महापौर डॉ. शोभा सिकरवार ने कहा कि विजयादशमी बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। सभी शहरवासी एकजुट होकर ग्वालियर को सबसे स्वच्छ और विकसित



शहर बनाने का संकल्प लें। वहीं, नगर निगम आयुक्त अभिषेक चौधरी ने नागरिकों से सड़कों पर कचरा नहीं फैलाने की अपील की। उन्होंने कहा कि शहर को स्वच्छ

और सुंदर बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है। घरों से निकलने वाला गीला और सूखा कचरा अलग-अलग करके नगर निगम के कचरा संग्रहण वाहनों में ही डालें। नगर निगम अध्यक्ष मनोज तोमर ने कहा कि विजयादशमी असत्य पर सत्य की जीत का पर्व है। उन्होंने शहरवासियों से विकास के लिए एकजुट होकर कार्य करने और ग्वालियर को स्वच्छ बनाने में अपनी भागीदारी निभाने का आह्वान किया।

त्रयोदशम् पुण्यतिथि पर विनम्र श्रद्धांजलि
निर्वाण 20.10.2013-2026

परम श्रद्धेय स्व.
श्री जयमणि सरीन
(अब आपकी यादें ही रोएं)

"आज ही के दिन आप हमसे दूर हुए,
सारी खुशियाँ, सारे सपने चूर हुए,
मगर आज भी आप हमारे दिल के पास हैं
जो कुछ भी है हम सब
आपका सम्बल और विश्वास हैं"

श्रद्धान्वत : प्रमोद गुप्ता, वी.डी गिरी, अनुभव गुप्ता, अभिनव गुप्ता
पवन अग्रवाल, हरीश खत्री, कमल, विनय, अतुल
सोनू, प्रकाश, अनिल, संजीव एवं समस्त मित्रगण एवं स्टॉफ

प्रतिष्ठान : **प्रमोद कुमार गुप्ता एण्ड कम्पनी**
कार्यालय : आयकर भवन के सामने, सिटी सेंटर, ग्वालियर
मोबा. 9425126503, 9425126505

एमपी को जल्द मिल सकते हैं 13 नए IAS, आज दिल्ली में DPC बैठक में होगा फैसला, 4 नामों पर विवाद

मध्यप्रदेश के IAS कोटे को लेकर सोमवार, 19 अक्टूबर को दिल्ली में DPC की बैठक होगी। केंद्रीय कार्मिक विभाग की विभागीय पदोन्नति समिति राज्य प्रशासनिक सेवा के 39 अफसरों के नामों पर विचार करेगी। इनमें वरिष्ठता के आधार पर 13 अफसरों को दूसरे अवॉर्ड मिलना है। हालांकि, इनमें से 4 अफसरों के नाम विवादों में हैं। ऐसे में इन चारों के नाम कटने की आशंका जताई जा रही है।

अब सभी की नजर दूसरे अवॉर्ड से जुड़े इस विवाद पर टिकी है।

दिल्ली में आज डीपीसी बैठक क्यों अहम?

केंद्रीय कार्मिक विभाग में सोमवार को विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक है। इसे डीपीसी (DPC – Departmental Promotion Committee) कहा जाता है। समिति राज्य प्रशासनिक सेवा के 39 नामों पर विचार करेगी। बता दें कि राज्य सेवा के

अफसरों को हर साल वरिष्ठता पर दूसरे अवॉर्ड मिलता है। यानी वे भारतीय प्रशासनिक सेवा (आइएएस) के अफसर कहलाते हैं। यह अहम ओहदा होता है। इस बार मध्य प्रदेश आइएएस कोटे में 13 नाम सबसे ऊपर हैं।

किन 13 अफसरों के नाम सबसे आगे हैं?

सामान्य प्रशासन विभाग यानी जीएडी के एक अधिकारी के अनुसार सूची में जीएडी के उप सचिव जयेंद्र कुमार विजयवत का नाम है। राज्य निर्वाचन आयोग के उप सचिव मनोज मालवीय भी इसमें हैं। परिवहन विभाग के उप सचिव कमल नागर का नाम भी शामिल है।

जिलों और विभागों में तैनात दावेदार

शहडोल की अपर कलेक्टर मिनिषा पांडेय सूची में हैं। भोपाल जिला पंचायत की सीईओ (CEO – Chief Executive Officer) इला तिवारी भी हैं। इंदौर संभाग में उपायुक्त (राजस्व) सपना एम

लोवंशी भी दावेदार हैं। बुरहानपुर की अपर कलेक्टर नीता राठौर भी सूची में हैं। शाजापुर जिला पंचायत के सीईओ शैलेंद्र सिंह सोलंकी का नाम भी है। लोकयुक्त कार्यालय भोपाल में उप सचिव रानी पासी भी इसमें हैं। आयुष विभाग की उप सचिव रंजना देवड़ा का नाम है। महिला एवं बाल विकास विभाग की उप सचिव माधवी नागेंद्र भी सूची में हैं। पर्यावरण विभाग में उप सचिव वर्षा सोलंकी भी आगे हैं। माध्यमिक शिक्षा मंडल की अतिरिक्त सचिव प्रियंका गोयल भी इन्हीं 13 में हैं।

प्रदेश सरकार ने रविवार, 18 अक्टूबर को चार आईएएस अधिकारियों के तबादले किए हैं। भोपाल और जबलपुर नगर निगम के आयुक्त भी बदल दिए गए हैं। भोपाल नगर निगम आयुक्त संस्कृति जैन को वित्त विभाग में उप सचिव बनाया गया है। वहीं रामप्रकाश अहिरवार को भोपाल नगर निगम की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके अलावा जबलपुर नगर

निगम में भी नया आयुक्त नियुक्त किया गया है।

चार नामों पर क्या है विवाद?

दूसरी ओर इन्हीं 13 में से चार नाम ऐसे हैं, जिनके साथ विवाद जुड़ गए हैं। यही आइएएस अवॉर्ड विवाद अब बैठक की सबसे बड़ी चर्चा है।

तेजस्वी और लोवंशी के नाम पर आपत्ति

महीप किशोर तेजस्वी का नाम भी है। कांग्रेस नेता केके मिश्रा ने तेजस्वी के नाम पर आपत्ति दर्ज कराई है। उधर आरटीआइ कार्यकर्ता अजय दुबे ने लोवंशी के नाम का विरोध किया है।

जीएडी को इन नामों पर आपत्ति है या नहीं इसकी जानकारी नहीं है। यह साफ नहीं कि चार विवादित नामों में ये दोनों शामिल हैं या नहीं।

चार नाम बाहर हुए तो किसकी बारी?

जीएडी के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक चार अन्य

नाम आगे बढ़ सकते हैं। यह तब होगा, जब विवादित चार नाम डीपीसी में अटकेंगे।

वरिष्ठता के आधार पर हरदा जिला पंचायत सीईओ नरोत्तम प्रसाद भार्गव का नाम है। मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग में अपर नियंत्रक निधि सिंह राजपूत भी इनमें हैं। जीएडी (कार्मिक) में उप सचिव निमिषा जायसवाल भी कतार में हैं। उज्जैन जिला पंचायत और विकास प्राधिकरण के सीईओ संदीप कुमार सोनी भी हैं।

सूत्रों के मुताबिक एक नाम के लिए खास जगह बनाने की चर्चा सार्वजनिक है। फैसला अब दिल्ली में होना है।

चार श्रेणियों में बंटेंगे सभी नाम

जिन 39 नामों की सूची प्रस्तावित हुई है, उन सभी पर विचार होगा। फिर सीआर (CR – Confidential Report) और वरिष्ठता से नाम चार श्रेणियों में बंटेंगे। ये श्रेणियां आउट स्टैंडिंग, वैरी गुड, गुड और अनफिट हैं।

सबसे पहले आउट स्टैंडिंग श्रेणी के अफसरों को आइएएस अवॉर्ड होगा। कोटा बचा तो वैरी गुड श्रेणी के नाम लिए जाएंगे। उसके बाद भी कोटा बचा तो गुड श्रेणी से नाम उठाए जाएंगे।

यह पदोन्नति नहीं, मेरिट कम अपॉइंटमेंट

केंद्रीय कार्मिक विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि यह पदोन्नति नहीं है। यह मेरिट कम अपॉइंटमेंट (योग्यता के आधार पर नियुक्ति) है। इसे MP IAS promotion list समझ सकते हैं, पर नियम अलग है।

इस बार गुड श्रेणी में रखे नाम अगली बार बाहर आ सकते हैं। वजह यह है कि हर बार बीते 5 साल की सीआर देखी जाती है। तो क्या चारों विवादित नाम सूची से बाहर होंगे? और अगर हुए, तो एमपी आइएएस अफसर सूची में किसका नाम आगे आएगा? जवाब आज दिल्ली की बैठक से ही निकलेगा।

खाद्य सुरक्षा विभाग की मिलावट के विरुद्ध कार्यवाही निरंतर जारी

एसडीएम गोहद के नेतृत्व में जांच दल ने मौ स्थित कृष्णा डेयरी पर की छापामार कार्रवाई

भिण्ड, जीएनएस।

कलेक्टर भिण्ड श्री पवन कुमार जैन एवं अपर कलेक्टर श्री राजन बी. नाडिया के निर्देशानुसार एसडीएम गोहद श्री विकास कैमोर के नेतृत्व में जांच दल द्वारा तरौली रोड, मौ स्थित कृष्णा डेयरी पर छापामार कार्रवाई की गई। जांच दल में तहसीलदार मौ, खाद्य सुरक्षा अधिकारी कु. रेखा सोनी, श्रीमती किरण सेंगर तथा पुलिस बल शामिल रहे।

कार्रवाई के दौरान डेयरी परिसर में लगभग 400 लीटर

छापामार कार्रवाई में लगभग 1.82 लाख कीमत की खाद्य सामग्री जप्त

दूध, 100 किलोग्राम मावा, रिफाईंड पामोलिन, घी, चूना की डिब्बियाँ सहित विभिन्न सामग्री भी पाई गई। डेयरी में रिफाईंड पामोलिन एवं चूना पदार्थ जैसे अपद्रव्य पाए गए। डेयरी के प्रोपराइटर श्री कृष्णा यादव से दूध, मावा, रिफाईंड पामोलिन, घी, चूना पदार्थ के नमूने खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के अंतर्गत जांच

हेतु लिए गए। इसके अतिरिक्त मावा 100 किलोग्राम, रिफाईंड पामोलीन 110 लीटर, घी 193 लीटर एवं चूना की 168 डिब्बियाँ मौके पर जप्त किए गए। जप्त सामग्री की अनुमानित कीमत ₹1,82,436/- बताई गई। डेयरी का खाद्य लाइसेंस निलंबित किया गया।

थाना इंदरगढ़ पुलिस द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए करीबन 40 हजार कीमती अवैध पटाखे किये जप्त

श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय दतिया श्री मयूर खंडेलवाल जी के निर्देशन में जिले में अवैध पटाखे निर्माण एवं बारूद भण्डारण पर कार्यवाही संबंधी चलाये जा रहे अभियान के अंतर्गत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय श्री मंजीत चावला एवं एसडीओपी महोदया सेवदा श्री दिव्या राजावत के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी निरीक्षक गौरव शर्मा एवं पुलिस टीम द्वारा स्टेट बैंक के पीछे इंदरगढ़ से अवैध पटाखे जप्त कर अपराध पंजीबद्ध किया।

घटना का संक्षिप्त विवरण - दिनांक 18.10.26 को स्टेट बैंक के पीछे दतिया रोड इंदरगढ़ पहुंच कर पुलिस ने आशिक पुत्र रफीक

खान उम्र 30 साल नि. स्टेट बैंक के पास दतिया रोड इंदरगढ़ के मकान की तलाशी ली तलाशी के दौरान एक प्लास्टिक की बोरी में 100 पैकेट काशीराम पटाखे, एक प्लास्टिक की बोरी में मुर्गा छप काशीराम के खाली खोके, 30 शोट के 8 पैकेट, 18 पैकेट वच्चो की फुलझड़ियां, 2 पैकेट वच्चो के पोप पोप, 2 पैकेट रकेट, 5 पैकेट चकरी स्पार्इनर कम्पनी के, 4 पैकेट मोर छप प्लेटिना प्लस पटाखे, 2 पैकेट लडी स्टार साईन 1000 शोट, 12 शोट 12 स्टार 16 पैकेट, हिना फुलझड़ियां के 20 पैकेट छोटे एवं 5 पैकेट बड़े, 10 पैकेट चकरी, 20 पैकेट लेवर्डलिंग फुलझड़ियां, 2 पैकेट सेक वच्चो

के, चकरी 6 पैकेट, 5 पैकेट अनार, एक सरकार छप सुतली वम्ब का बड़ा पैकेट, 6 पैकेट लेला मजनु पटाखे, वुलेट वम्ब 5 पैकेट, स्काई वम्ब 5 पैकेट, कीमती करीब 40 हजार रुपये की मिले। जिन्हे मौके पर जप्त किया गया। उक्त आरोपी के विरुद्ध अपराध क्रमांक 341/ 26 धारा 5/9ख विस्फोटक अधिनियम के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। उक्त कार्यवाही में निरीक्षक गौरव शर्मा थाना प्रभारी इंदरगढ़, सजनि मनीष अतरौलिया, प्रआर 313 राघवेन्द्र गुर्जर मय आर 268 प्रवीण परिहार आर 919 रमाकांत कुशवाहा से 139 रामनिवास यादव, की सहायता भूमिका रही।

सेवा संकल्प अभियान के तहत शासकीय महाविद्यालय जौरा में हुई विभिन्न गतिविधियां

मुरैना, जीएनएस।

मध्यप्रदेश शासन, उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार शासकीय महाविद्यालय, जौरा में 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर 2026 तक सेवा संकल्प अभियान-2026 का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. रमेश कुमार के मार्गदर्शन में आयोजित अभियान के दौरान विद्यार्थियों को सेवा-भावना, राष्ट्रप्रेम, सामाजिक उत्तरदायित्व, पर्यावरण संरक्षण एवं सुशासन के प्रति जागरूक करने के लिए विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गईं।

अभियान के अंतर्गत सेवा मेरा योगदान, सेवा की कहानी, सेवा सेतु अभियान, सेवा के रंग राष्ट्र के संग, ग्रीटिंग कार्ड निर्माण, सुशासन सेवा संवाद, इन्फ्लूएंसर एक्सचेंज एवं सेवा फेस्ट इन्वेंशन चैलेंज जैसी गतिविधियां आयोजित की गईं। इनके माध्यम

से विद्यार्थियों को सामाजिक सेवा, जनकल्याणकारी योजनाओं तथा समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों के निर्वहन के लिए प्रेरित किया गया।

महात्मा गांधी जयंती के अवसर पर 2 अक्टूबर को सेवा मेरा योगदान कार्यक्रम के अंतर्गत स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। वहीं, सेवा की कहानी एवं सेवा सेतु अभियान के माध्यम से शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं तथा छात्रवृत्ति संबंधी प्रक्रियाओं की जानकारी दी गई।

9 एवं 10 अक्टूबर को सेवा के रंग राष्ट्र के संग गतिविधि के अंतर्गत छात्राओं ने रंगोली बनाकर राष्ट्रप्रेम, राष्ट्रीय एकता एवं सांस्कृतिक चेतना का संदेश दिया। ग्रीटिंग कार्ड निर्माण गतिविधि में विद्यार्थियों ने नशामुक्त भारत, जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण, नारी

शक्ति, भारतीय सेना का शौर्य, लोक कला एवं वृद्धजनों की सेवा जैसे विषयों पर 100 से अधिक आकर्षक ग्रीटिंग कार्ड तैयार किए। तैयार कार्डों को प्राथमिक जांच एवं पैकेजिंग के बाद अग्रणी शासकीय कन्या महाविद्यालय, मुरैना में जमा कराया गया।

अभियान के अंतर्गत सुशासन सेवा संवाद एवं इन्फ्लूएंसर एक्सचेंज गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों को सुशासन, जनसेवा, डिजिटल जागरूकता तथा सोशल मीडिया के सकारात्मक उपयोग के प्रति जागरूक किया गया।

अभियान का समन्वय डॉ. यदुनंदन प्रसाद उपाध्याय ने किया। विभिन्न गतिविधियों में डॉ. एच. एन. सिंह हाड़ा, डॉ. शेष नारायण शुक्ला, डॉ. सी. पी. विमल, प्रो. विनोद कुशवाहा, प्रो. अशोक कुमार, प्रो. प्रफुल्ल चंद्र

भौमिक, श्री उदयभान सिंह यादव, प्रो. जितेंद्र कुमार, डॉ. अंकिता मिश्रा, डॉ. सुधीर कुमार पाठक, डॉ. नीलम राजपूत, डॉ. जनक सिंह कुशवाहा, डॉ. दिनेश दोहरे, पुस्तकालयाध्यक्ष कु. संध्या टैगोर, श्री प्रशांत शर्मा एवं श्री ब्रजेश शाक्य सहित महाविद्यालय के अन्य प्राध्यापकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों का सहयोग रहा।

सुशासन सेवा संवाद एवं इन्फ्लूएंसर एक्सचेंज कार्यक्रमों के संचालन में डॉ. यदुनंदन प्रसाद उपाध्याय एवं डॉ. नीलम राजपूत की महत्वपूर्ण भूमिका रही। प्राचार्य डॉ. रमेश कुमार ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान जैसी गतिविधियां विद्यार्थियों में सामाजिक संवेदनशीलता, रचनात्मकता, सेवा-भावना एवं राष्ट्र निर्माण के प्रति प्रतिबद्धता विकसित करने में सहायक हैं।

शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में विद्यार्थियों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता के प्रति किया जागरूक

मुरैना, जीएनएस।

विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीक एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से एआईएसईसीटी पीएमकेके, मुरैना द्वारा शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में एआई जागरूकता सत्र आयोजित किया गया। विद्यालय के प्राचार्य श्री मुकेश शांडिल्य एवं शिक्षक डॉ. राकेश त्यागी के नेतृत्व में आयोजित सत्र में विद्यार्थियों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता की उपयोगिता, कार्यप्रणाली एवं विभिन्न क्षेत्रों में इसके उपयोग की जानकारी दी गई।

सत्र के दौरान विद्यार्थियों को बताया गया कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि एवं रोजगार सहित विभिन्न क्षेत्रों में तेजी से बढ़ रहा है। विद्यार्थियों को चैटजीपीटी जैसे कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित उपकरणों की कार्यप्रणाली

तथा पढ़ाई एवं जानकारी प्राप्त करने में उनके उपयोग के बारे में भी समझाया गया। विद्यार्थियों की समझ विकसित करने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर आधारित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता एवं विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियां आयोजित की गईं। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए प्रश्नों के उत्तर दिए तथा आधुनिक तकनीक के प्रति अपनी रुचि प्रदर्शित की। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में डिजिटल कौशल विकसित करना, उन्हें उभरती तकनीकों से परिचित कराना तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता के जिम्मेदार, सुरक्षित एवं सकारात्मक उपयोग के प्रति जागरूक करना रहा। इस प्रकार के जागरूकता सत्र विद्यार्थियों को तकनीकी बदलावों को समझने और भविष्य की शैक्षणिक एवं रोजगार संबंधी संभावनाओं के लिए तैयार करने में सहायक हैं।

जीवन विज्ञान में शोध को नई उड़ान देंगे जीवाजी और बुंदेलखंड विवि

ग्वालियर, जीएनएस। जीवन विज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में शोध एवं नवाचार को बढ़ावा देने के लिए जीवाजी विश्वविद्यालय और बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी मिलकर शैक्षणिक गतिविधियों को विस्तार देंगे। इसी उद्देश्य से बुंदेलखंड विश्वविद्यालय में 'ब्रिजिंग माइंड्स इन लाइफ साइंसेज' विषय पर अंतर-विश्वविद्यालयीय छात्र संवाद एवं पैनल चर्चा आयोजित की गई। इसमें दोनों विश्वविद्यालयों के शिक्षकों और विद्यार्थियों ने आधुनिक शोध तकनीकों,

वैज्ञानिक नवाचार, अंतर्विषयी अनुसंधान और रोजगार की संभावनाओं पर विचार साझा किए। साथ ही संयुक्त शोध परियोजनाओं, विशेषज्ञ व्याख्यानों, कार्यशालाओं और विद्यार्थी आदान-प्रदान जैसी गतिविधियों को बढ़ावा देने पर चर्चा हुई। कार्यक्रम में जीवाजी विश्वविद्यालय के जैव प्रौद्योगिकी विभाग के अधिष्ठाता एवं विभागाध्यक्ष प्रो. समीर भाग्यवंत सहित शिक्षक और विद्यार्थी शामिल हुए। बुंदेलखंड विश्वविद्यालय की ओर से डॉ. ऋषि सक्सेना, डॉ. लवकुश, डॉ.

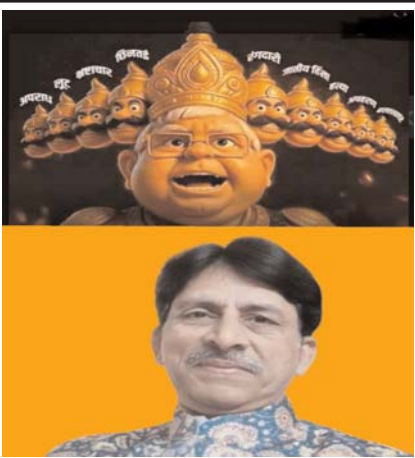
अंतर-विश्वविद्यालयीय संवाद में आधुनिक तकनीक, नवाचार और रोजगार के अवसरों पर मंथन, संयुक्त शोध परियोजनाओं को बढ़ावा देने पर जोर

सुमिरन, डॉ. पंकज, डॉ. रंजना और डॉ. निधि सहित अन्य शिक्षक उपस्थित रहे। -प्रयोगशालाओं में देखीं शोध की संभावनाएं संवाद के दौरान जीवाजी विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने बुंदेलखंड विश्वविद्यालय की प्रयोगशालाओं और अनुसंधान सुविधाओं का अवलोकन किया। उन्हें जीवन विज्ञान एवं जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में संचालित शैक्षणिक गतिविधियों और शोध

कार्यों की जानकारी दी गई। विद्यार्थियों ने आधुनिक शोध प्रक्रियाओं को समझने के साथ वैज्ञानिक तकनीकों के व्यावहारिक उपयोग के बारे में भी जाना। -शोध से सामाजिक समस्याओं के समाधान पर जोर पैनल चर्चा में जीवन विज्ञान के उभरते क्षेत्रों, अंतर्विषयी अनुसंधान और वैज्ञानिक नवाचार के साथ विद्यार्थियों के लिए शोध एवं रोजगार के अवसरों पर मंथन हुआ। शिक्षकों ने कहा कि

वैज्ञानिक दृष्टिकोण और शोधपरक सोच के माध्यम से नई संभावनाएं विकसित की जा सकती हैं। विद्यार्थियों को विज्ञान एवं तकनीक का उपयोग सामाजिक समस्याओं के समाधान के लिए करने और अनुसंधान के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया। -संयुक्त गतिविधियों से विद्यार्थियों को मिलेगा लाभ- प्रो. समीर भाग्यवंत जीवाजी विश्वविद्यालय के जैव प्रौद्योगिकी विभाग के अधिष्ठाता एवं विभागाध्यक्ष प्रो. समीर भाग्यवंत ने इस पहल को

दोनों विश्वविद्यालयों के बीच अकादमिक सहयोग मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण बताया। कार्यक्रम में संयुक्त शोध परियोजनाओं, विशेषज्ञ व्याख्यानों, कार्यशालाओं और विद्यार्थी आदान-प्रदान की संभावनाओं पर भी विचार-विमर्श किया गया। इस पहल से दोनों विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों और शोधार्थियों को एक-दूसरे के अनुभवों से सीखने, नई शोध तकनीकों से परिचित होने और जीवन विज्ञान के क्षेत्र में अपनी क्षमताएं विकसित करने के अवसर मिलने की उम्मीद है।



हर साल जलता हूँ, फिर भी पलता हूँ

प्रभु श्रीराम! सुनो पुकार, क्यों सहूँ मैं अग्नि की मार? हर साल मुझे जलाते हो, फिर अगले साल बुलाते हो! मैं रावण हूँ और दशानन हूँ, अपने युग का मैं दर्पण हूँ। कहते हो, मैं पापी हूँ, लेकिन आज भी क्यों व्यापी हूँ? मेरे दस सिर अहंकार के, सिर लोभ व भ्रष्टाचार के थे। परंतु आज सिरों की गिनती नहीं, पापों की सीमा नहीं! मैंने सीता का हरण किया, अपने कुल का पतन किया, आज ईसान ही ईसान को, लोभ में बेव रहा ईमान को। मेरे भीतर अहंकार था, लेकिन ज्ञान का भी भंडार था, आज ज्ञान की बातें करनेवाले, मुखौटे हैं पहनने वाले! मैं लंका का राजा कहलाया, सोने का साम्राज्य बनाया, आज बिना सोने की लंका के, बहुत रावण हैं सत्ता के!

संजय एम तराणेकर
(कवि, लेखक व समीक्षक)

श्री अचलेश्वर महादेव मंदिर अब शाम 4 बजे से खुल जायेगा



ग्वालियर, जीएनएस।

श्री अचलेश्वर महादेव मंदिर सार्वजनिक न्यास के नवनिर्वाचित पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी सदस्यों की प्रथम बैठक श्री नटराज सभागृह में आयोजित की गई बैठक में न्यासी श्री महेश मृदाल राजेश ऐरन अध्यक्ष नवीन गर्ग उपाध्यक्ष राजकुमार महेश्वरी सचिव, कृष्ण बिहारी गोयल कोषाध्यक्ष, निशांत सिंघल सूचना सचिव, मार्गदर्शक व्यवस्थापक राजकुमार गोयल अप व्यवस्थापक प्रदीप बंसल जी एवं कार्यकारिणी सदस्य मोहन अग्रवाल, सुरेंद्र अग्रवाल अतुल गुप्ता संदीप सिंगल, सुनील अग्रवाल बबलू, आकाश सिंह गौरव नागवाणी, तरुण बत्रा गोपाल बघेले, गिरीश शर्मा के साथ सभी

की सहमति से तय किया गया कि श्री अखिलेश्वर महादेव मंदिर के द्वारा जो अभी शाम के वक्त 5-00 बजे खुलते थे उनको अब 4-00 बजे से खोल दिया जाएगा जिससे कि भक्तगण पूर्ण सुविधा के साथ मंदिर प्रांगण में आकर दर्शन कर सकेंगे साथ ही शरद उत्सव का महोत्सव 26 अक्टूबर को सोमवार को मनाने का तय किया गया जिसमें मंदिर पर साफ सफाई एवं मंदिर पर लाइटिंग व्यवस्था और खीर प्रसादी वितरण व्यवस्था की व्यवस्थाएं के लिए सदस्यों को नियुक्त किया गया सभी दानदाता मंदिर पर सर्व उत्सव में सहयोग करना चाहे वहां लगे स्टॉल पर अपना दान देकर रसीद प्राप्त कर सकते हैं ऐसी व्यवस्था मंदिर पर की गई है।

प्राचीन मां स्वायर माता मंदिर पर नवमी के दिन भक्तों का लगा ताता

डबरा, जीएनएस। शारदीय नवरात्रि के अंतिम दिन नवमी के पावन अवसर पर मां स्वायर माता मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी।

माता रानी के दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए सुबह से ही भक्तों का पहुंचना शुरू हो गया, मंदिर परिसर में भक्ति और उत्साह का माहौल देखने को मिला। श्रद्धालुओं ने मां के दरबार में माथा टेककर परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की और मां भवानी के नारो से मंदिर परिसर गुंजायमान हुआ। नवमी के अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने मंदिर पहुंच कर मां के जयकारों से मंदिर परिसर भक्तिमय हो उठा, नवरात्रि के अंतिम दिन मां स्वायर माता के दरबार में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़ ने आस्था और भक्ति का अनूठा संगम प्रस्तुत किया। बता दें नौ दिनों तक चले शक्ति की



आराधना के पर्व का नवमी पर विशेष उत्साह के साथ समापन हो रहा है। मां स्वायर माता के दरबार में उमड़ा जनसैलाब क्षेत्र की धार्मिक आस्था और परंपरा का प्रतीक बना।

सिंध नदी के पररायन्च घाट के अलावा अन्य किसी घाट पर प्रतिमा विसर्जन करने वालों पर होगी कानूनी कार्रवाई

लहार, जीएनएस।

लहार थाना क्षेत्र के सभी नगर एवं ग्रामीण वासियों को सूचित करते हुए पुलिस प्रशासन ने दिशा-निर्देश जारी किए हैं, दुर्गा प्रतिमाओं का विसर्जन

केवल सिंध नदी स्थित पररायन्च घाट पर ही मान्य होगा, सुरक्षा व व्यवस्था के मद्देनजर किसी भी अन्य घाट पर विसर्जन पूरी तरह प्रतिबंधित है, उल्लंघन करने पर संबंधित व्यक्तियों के

विरुद्ध तत्काल वैधानिक कार्रवाई की जाएगी, पुलिस ने आमजन से शांति, सुरक्षा और नियमों का पालन करते हुए केवल अधिकृत घाट का उपयोग करने का अनुरोध किया है।

बालिकाओं में संस्कार और संस्कृति के प्रति आस्था जगाना जरूरी: डॉ. प्रतिभा चतुर्वेदी

ग्वालियर, जीएनएस। सहारा सोशल वेलफेयर सोसाइटी के तत्वावधान में शनिवार को पटेल नगर स्थित कार्यालय में शारदीय नवरात्रि के अवसर पर धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान बालिकाओं ने सुंदर परिधान पहनकर गरबा-डांडिया और माता के भजनों पर नृत्य किया। कार्यक्रम में बालिकाओं का पूजन कर उन्हें उपहार स्वरूप



दक्षिणा भी भेंट की गई।

संस्था की अध्यक्ष डॉ. प्रतिभा चतुर्वेदी ने शारदीय नवरात्रि में

गरबा-डांडिया की परंपरा और बालिका पूजन के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि नवरात्रि

शक्ति की आराधना का पर्व है। इस अवसर पर बालिकाओं का पूजन करना नारी शक्ति के प्रति सम्मान और श्रद्धा प्रकट करने का प्रतीक है। ऐसे आयोजनों से बच्चों में धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं के प्रति आस्था बढ़ती है। कार्यक्रम की शुरुआत नन्ही बालिकाओं के रोली-चावल से पूजन के साथ हुई। इसके बाद उन्हें उपहार स्वरूप दक्षिणा प्रदान की गई। बालिका शबीना खान ने गायत्री मंत्र का पाठ

किया, जबकि दृष्टि वंशकार ने %जब ज़िद पे आ गई पार्वती...% भजन प्रस्तुत किया। गौतम रैकवार और साहिल रैकवार ने %मैंने तेरे ही भरोसे हनुमान, सागर में नैया डाल दई% भजन सुनाकर श्रद्धालुओं को भक्तिरस से सराबोर किया। इसके बाद बालिकाओं ने गरबा-डांडिया और माता के गीतों पर आकर्षक नृत्य प्रस्तुत किए। पूरे कार्यक्रम में भक्ति और उत्साह का माहौल रहा।

भिण्ड-गोस्मी
के
समाचार
विज्ञापन
के लिए सम्पर्क करें
महेश चौधरी
98267-36233

श्रीजी
Har Khushi Ki Pahali Pasand
SCAN TO SHOP
OUR NEW PRODUCT

श्रमसाधना

संपादकीय

रावण तो जल जाएगा, क्या हमारे भीतर का रावण भी जलेगा?

हर साल दशहरे पर रावण का पुतला जलाया जाता है। आतिशबाजी होती है, जय श्रीराम के नारे गूंजते हैं और लोग बुराई पर अच्छाई की जीत का उत्सव मनाते हैं। कुछ ही पलों में दस सिर वाला रावण आग की लपटों में राख हो जाता है। लेकिन सवाल यह है कि क्या उसके साथ हमारे भीतर छिपी बुराइयां भी समाप्त हो जाती हैं?

कल्पना कीजिए, यदि रावण स्वर्ग से यह दृश्य देख रहा होता, तो शायद मुस्कुराकर कहता, मैंने तो एक बार सीता का हरण किया था और अपने अपराध की कीमत प्राण देकर चुकाई। तुम हर साल मेरा पुतला जलाते हो, लेकिन अपने भीतर के अहंकार, लालच और स्वार्थ को बचाकर रखते हो। फिर मुझसे इतनी नाराजगी क्यों?

दरअसल, रावण दहन हमारी परंपरा और बुराई के अंत का प्रतीक है। समस्या तब होती है, जब हम प्रतीक को ही वास्तविकता मान लेते हैं। मैदान में रावण का पुतला जल जाता है, लेकिन उसके भीतर छिपी बुराइयों को समाप्त करने में पूरी जिंदगी लग सकती है।

विडंबना देखिए कि जिस समाज में दशहरे पर अच्छाई की जीत के नारे गूंजते हैं, उसी समाज में महिलाओं के साथ अन्याय होता है, कमजोरों का शोषण किया जाता है और गरीबों के अधिकार छीने जाते हैं। धन और सत्ता का अहंकार इंसानियत पर भारी पड़ता है। इन बुराइयों में शामिल लोग भी रावण दहन देखने पहुंचते हैं और बुराई के अंत पर तालियां बजाते हैं। उन्हें एहसास नहीं होता कि जिस बुराई को वे जला रहे हैं, उसका कोई रूप उनके अपने व्यवहार में भी मौजूद है।

हम दूसरों की गलतियों पर उंगली उठाते हैं, लेकिन अपनी गलतियों के लिए बहाने खोज लेते हैं। दूसरे का क्रोध हमें बुराई लगता है, जबकि अपना क्रोध स्वाभिमान। दूसरे का लालच गलत दिखाई देता है, लेकिन अपना लालच जरूरत लगता है। यही भ्रम हमें हर साल रावण जलाने के बाद भी उससे मुक्त नहीं होने देता।

भगवान राम केवल रावण का अंत करने वाले योद्धा नहीं, बल्कि सत्य, मर्यादा, कर्तव्य और संयम के प्रतीक भी हैं। इसलिए राम का नाम लेने के साथ उनके आदर्शों को जीवन में उतारना भी जरूरी है। निर्बल की रक्षा करना, स्त्रियों का सम्मान करना, सत्य का साथ देना और अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाना ही राम के आदर्शों का वास्तविक अनुसरण है।

दशहरा दूसरों की बुराइयां गिनाने का नहीं, स्वयं के भीतर झांकने का अवसर है। हमें पूछना चाहिए कि क्या हमने कभी स्वार्थ के लिए किसी का नुकसान किया? क्या किसी का अपमान किया? क्या किसी कमजोर की मजबूरी का लाभ उठाया? क्या अन्याय देखकर भी चुप रहे? इन सवालों के ईमानदार जवाब ही बदलाव की शुरुआत हैं। इस दशहरे पर उत्सव मनाइए, परंपरा निभाइए और अपने भीतर की किसी एक बुराई को छोड़ने का संकल्प भी लीजिए। किसी जरूरतमंद की मदद कीजिए, अपमानजनक व्यवहार छोड़िए और अन्याय के विरुद्ध खड़े होने का साहस जुटाइए। रावण का पुतला जलाना परंपरा है, लेकिन अपने भीतर के रावण को जलाना जिम्मेदारी। जिस दिन हम अपने अहंकार, स्वार्थ और अन्याय की प्रवृत्ति पर विजय पा लेंगे, उसी दिन रावण दहन वास्तव में अच्छाई की जीत का उत्सव बनेगा।

प्रांतीय कार्यालय : 76 शबरी कॉम्प्लेक्स, एम.पी. नगर जोन-2 भोपाल, फोन : 0755-2579530

प्रांतीय ब्यूरो प्रमुख : एल.एन. तवर, 9827781209

प्रांतीय ब्यूरो : डॉ. जानकी अहिरवार 9406580345

Email:shramsadhnagwl@gmail.com

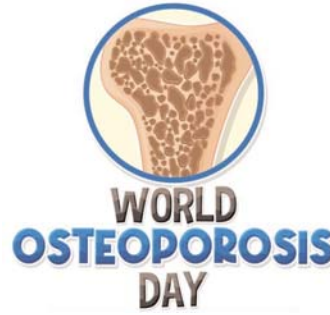
विश्व ऑस्टियोपोरोसिस पर विशेष

हड्डियों की भी उम्र ढलती है, बदलाव को गंभीरता से ले

ऋतुपर्ण दवे

हड्डी एक गतिशील ऊतक है जो अस्थि निर्माण, मॉडलिंग और रीमॉडलिंग जैसी कई प्रक्रियाओं के माध्यम से लगातार बदलती और अनुकूलित होती रहती है। इसमें आमतौर पर अस्थि क्लास्ट और अस्थि ब्लास्ट की समन्वित गतिविधियाँ शामिल होती हैं। अस्थि ब्लास्ट वो प्रक्रिया है जिसमें विशेष कोशिकाएं नई हड्डी के निर्माण और हड्डी के विकास में मदद करती हैं। यह हड्डी में कैल्शियम और अन्य खनिजों को जमा करके नया अस्थि ऊतक तैयार करती हैं। ब्लास्ट कोशिकाएं अपरिपक्व या शुरुआती स्तर की कच्ची कोशिकाएं होती हैं जो अस्थि मज्जा में बनती हैं और बाद में परिपक्व होकर लाल रक्त कोशिकाएं, श्वेत रक्त कोशिकाएं या प्लेटलेट्स में बदल जाती हैं। सामान्य अस्थि मज्जा में इनकी संख्या बहुत कम (5% से कम) होती है। यदि अस्थि मज्जा या रक्त में ब्लास्ट कोशिकाओं की संख्या 20% या उससे अधिक हो जाए, तो यह ल्यूकेमिया यानी रक्त कैंसर या अन्य अस्थि मज्जा विकारों का संकेत हो सकता है। जबकि अस्थि क्लास्ट विशेष प्रकार की अस्थि कोशिकाएं होती हैं, जिनका मुख्य काम पुरानी, क्षतिग्रस्त या अनावश्यक हड्डी के ऊतकों को तोड़ना और अवशोषित करना होता है।

इस चक्र में गड़बड़ी से हड्डियों के स्वास्थ्य में जटिलताएं उत्पन्न हो सकती हैं। इनमें से एक जटिलता ऑस्टियोपोरोसिस है, जिससे विश्व स्तर पर लाखों लोग प्रभावित हैं। यह संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। इससे अमूमन प्रतिवर्ष लगभग 9 लाख लोगों की हड्डियां टूटती हैं। ऑस्टियोपोरोसिस



एक जटिल विकार है जो जीवनशैली, शारीरिक गतिविधियां, आनुवंशिकी, हार्मोनल और अंतःस्त्रावी तंत्र, सह-रुग्णता यानी पूर्व से मौजूदा रोग और कुछ दवाओं के उपयोग सहित कई कारकों से प्रभावित होता है।

इसी से बचाव, निदान और उपचार के लिए जागरूक करने के हेतु हर वर्ष 20 अक्टूबर को विश्व ऑस्टियोपोरोसिस डे अलग-अलग थीम के साथ मनाया जाता है। इस वर्ष की थीम है 'बिल्ड, प्रोटेक्ट, स्ट्रेनदन योर बोनस फॉर लाइफ' यानी जीवन भर के लिए अपनी हड्डियों का निर्माण करें, रक्षा करें और उन्हें मजबूत बनाएं। ऑस्टियोपोरोसिस को साइलेंट यानी 'खामोश बीमारी' कहा जाता है क्योंकि शुरुआती दौर में इसके कोई स्पष्ट लक्षण नहीं दिखते हैं। प्रायः इसका पता तब चलता है जब मामूली झटके, छींकने या गिरने से हड्डी टूट जाती है। इसके कारण कूल्हे, रीढ़ और कलाई की हड्डियां टूटने का खतरा सबसे ज्यादा रहता है।

विश्व ऑस्टियोपोरोसिस दिवस का मुख्य उद्देश्य लोगों में हड्डियों की कमजोरी और नाजुक होने की बीमारी के कारणों, इसकी रोकथाम और शुरुआती निदान व इलाज के प्रति वैश्विक जागरूकता बढ़ाना है। इस

अभियान का नेतृत्व वैश्विक स्तर पर इंटरनेशनल ऑस्टियोपोरोसिस फाउंडेशन यानी आईओएफ द्वारा किया जाता है। सच तो यह है कि उम्र बढ़ने के साथ नई हड्डियों के बनने की तुलना में पुरानी हड्डियों के नष्ट होने की गति तेज हो जाती है। हार्मोनल बदलाव के चलते महिलाओं में मेनोपॉज यानी महावारी बंद होने के बाद एस्ट्रोजन हार्मोन की कमी से यह समस्या तेजी से बढ़ती है। वहीं पुरुषों में 50-60 वर्ष की आयु के बाद जोखिम बढ़ जाता है। पोषण की कमी होने से भी शरीर में कैल्शियम और विटामिन-डी की भारी कमी हो जाती है जिससे भी हड्डी कमजोर हो जाती है और इसके टूटने का खतरा बढ़ जाता है। अन्य कारणों से भी हमारी हड्डियां कमजोर और क्षतिग्रस्त हो जाती हैं। शारीरिक गतिविधियों में सक्रिय न रहना, धूम्रपान, अत्यधिक शराब पीना और कुछ खास दवाओं (जैसे स्टेरॉयड) का लंबे समय तक इस्तेमाल का भी प्रभाव पड़ता है। इससे बचाव के लिए भी सतर्क रह कर समय-समय पर जाँच आदि जरूरी है। इसका पता लगाने के लिए आमतौर पर प्रचलित साधारण एक्स रे की जगह डेक्सा स्कैन कराया जाता है जिसे चिकित्सकीय भाषा में बोन मिनरल डेंसिटी टेस्ट कहते हैं।

ऑस्टियोपोरोसिस इसलिए भी बहुत खतरनाक हो जाता है क्योंकि इसके कोई शुरुआती लक्षण नहीं दिखते हैं। इस बीमारी में कोई संकेत भी नहीं मिलता है जिससे महसूस हो सके कि ऑस्टियोपोरोसिस से व्यक्ति घिरता जा रहा है। इस बीमारी में सिरदर्द, बुखार या पेट दर्द भी नहीं होता जिससे पता चल सके कि शरीर

में कुछ गड़बड़ी है। हाँ बहुत ही मामूली तौर पर शरीर में कुछ बदलाव नजर आ सकते हैं जो यह संकेत दे सकते हैं कि हड्डियां कमजोर या घनी हो रही हैं। ऑस्टियोपोरोसिस के संकेतों के लिए कुछ चेतावनियां भी हैं जैसे कि लंबाई में इंच सवा इंच या उससे अधिक की कमी होना। स्वाभाविक शारीरिक मुद्रा में परिवर्तन, जैसे झुकना या आगे की ओर अधिक मुड़ना, सांस लेने में तकलीफ होती है जिसकी वजह रीढ़ की हड्डी में डिस्क के संकुचित होने से फेफड़ों की क्षमता कम हो जाती है।

किसी व्यक्ति द्वारा अपने शारीरिक रूप में होने वाले बदलावों को पहचानना मुश्किल हो सकता है। इसको स्वजन या अन्य लोग जिनसे आप कुछ अंतराल से मिल रहे हैं वही बता सकते हैं कि शरीर में क्या बदलाव दिख रहे हैं। इसके लिए एक सुझाव यह भी दिया जाता है कि स्वास्थ्य सेवा प्रदाता से मिलकर अस्थि घनत्व परीक्षण करवाना चाहिए। 50 वर्ष से अधिक आयु के लगभग एक तिहाई वयस्कों में, जिन्हें ऑस्टियोपोरोसिस नहीं है, ऑस्टियोपेनिया पाया जाता है। इसका अर्थ यह है कि उनकी हड्डियों का घनत्व उनकी उम्र के हिसाब से कम है। यह भी ऑस्टियोपोरोसिस के प्रारंभिक लक्षण हैं। यदि ऑस्टियोपेनिया का इलाज समय पर न किया गया तो यह ऑस्टियोपोरोसिस में परिवर्तित हो सकता है। इसलिए बढ़ती उम्र में ऐसी बीमारियों से बचने के लिए सचेत रहते हुए समय-समय पर जरूरी चिकित्सकीय परामर्श लेते रहना आवश्यक होता है।

गणनाओं को सरल बनाने से कृत्रिम बुद्धिमत्ता तक

लघुगणक से एल्गोरिदम तक गणितीय चिंतन ने बदली दुनिया

डॉ. विजय गर्ग

गणित केवल संख्याओं, सूत्रों और समीकरणों तक सीमित विषय नहीं है, बल्कि यह मानव की तार्किक क्षमता, विश्लेषणात्मक सोच और समस्याओं को हल करने की कला का आधार है। सदियों से गणितज्ञों ने जटिल गणनाओं को सरल बनाने और नई खोजों का रास्ता खोलने के लिए अनेक विधियां विकसित की हैं। लघुगणक से लेकर आधुनिक एल्गोरिदम तक का सफर इसका उल्लेखनीय उदाहरण है। इस यात्रा ने न केवल वैज्ञानिक अनुसंधान को गति दी, बल्कि कंप्यूटर, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डिजिटल तकनीक के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

लघुगणक ने सरल की जटिल गणनाएं : सत्रहवीं शताब्दी की शुरुआत में खगोलशास्त्रियों, वैज्ञानिकों और गणितज्ञों को बड़ी संख्याओं के गुणा-भाग सहित अनेक कठिन गणनाएं करनी पड़ती थीं।

खगोलीय पिंडों की गति का अध्ययन, समुद्री नौवहन और वैज्ञानिक अनुसंधान में इन गणनाओं में काफी समय लगता था। इस समस्या को हल करने के लिए स्कॉटलैंड के गणितज्ञ जॉन नेपियर ने लघुगणक की अवधारणा विकसित की। वर्ष 1614 में प्रकाशित उनके कार्य ने गणितीय गणनाओं को सरल बनाने की दिशा में नई शुरुआत की।

लघुगणक का मूल सिद्धांत यह है कि उचित आधार पर बड़ी संख्याओं के गुणा को जोड़ और भाग को घटाव में बदला जा सकता है। उदाहरण के लिए, यदि दो संख्याएं 10 की घातों के रूप में व्यक्त की जाएं, तो उनके गुणन में घातों को जोड़ना पर्याप्त होता है। इससे जटिल गणनाओं को अपेक्षाकृत आसानी से पूरा किया जा सकता है।

गणितज्ञ हेनरी ब्रिग्स ने सामान्य लघुगणक की सारणियों के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इन

सारणियों ने वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और विद्यार्थियों के लिए गणनाओं को सुविधाजनक बनाया। बाद में स्लाइड रूल जैसे उपकरणों ने भी जटिल गणनाओं को तेजी से करने में सहायता की। लघुगणक का महत्त्व केवल गणना की गति बढ़ाने तक सीमित नहीं था। इसने यह विचार भी स्थापित किया कि किसी कठिन समस्या को उचित गणितीय रूपांतरण के माध्यम से सरल बनाया जा सकता है। यही सोच आधुनिक कंप्यूटर विज्ञान में भी दिखाई देती है।

एल्गोरिदम-समस्या समाधान की व्यवस्थित विधि*-एल्गोरिदम निर्देशों का ऐसा निश्चित और तार्किक क्रम है, जिसके माध्यम से किसी समस्या को हल किया जाता है या कोई कार्य पूरा किया जाता है। आज इस शब्द का संबंध मुख्य रूप से कंप्यूटर और डिजिटल तकनीक से जोड़ा जाता है, लेकिन इसकी बुनियादी अवधारणा बहुत पुरानी है।

एल्गोरिदम शब्द का संबंध महान गणितज्ञ मुहम्मद इब्न मूसा अल-ख्वारिज्मी के नाम से माना जाता है। उन्होंने गणितीय प्रक्रियाओं को व्यवस्थित ढंग से प्रस्तुत करने में योगदान दिया। उनके कार्यों ने गणितीय विधियों को स्पष्ट चरणों में समझने और लागू करने की परंपरा को मजबूत किया। हम अपने दैनिक जीवन में भी एल्गोरिदम का उपयोग करते हैं। किसी व्यंजन को बनाने की विधि, किसी स्थान तक पहुंचने के लिए रास्ता चुनना, किसी पुस्तक में विशेष शब्द खोजना और किसी कठिन प्रश्न को छोटे चरणों में बांटकर हल करना इसके उदाहरण हैं। इन सभी प्रक्रियाओं में एक निश्चित क्रम का पालन किया जाता है। कंप्यूटर के लिए एल्गोरिदम विशेष रूप से महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि उसे किसी समस्या का समाधान करने के लिए स्पष्ट निर्देशों की आवश्यकता होती है।

ब्रज को स्वच्छ रखना हमारी नैतिक जिम्मेदारी: नवीन पूनिया

डॉ गोपाल चतुर्वेदी
गोवर्धन (मथुरा)। ब्रज की पावन धरा एवं श्रीगिरिराज गोवर्धन की तलहटी को स्वच्छ, सुंदर और प्लास्टिक मुक्त बनाने के उद्देश्य से शनिवार को अक्षय पात्र फाउंडेशन एवं श्री नवीन पूनिया जी द्वारा गठित जन उदय विजन फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में स्वच्छता अभियान चलाया गया। माननीय प्रधानमंत्री जी के 'संकल्प से सेवा' अभियान की भावना के अनुरूप आयोजित इस सेवा प्रकल्प के अंतर्गत गोविंद कुंड स्थित मनोहर बाबा की गौशाला से जतीपुरा तक गिरिराज तलहटी में स्वच्छता सेवा की गई।

इस अवसर पर भारतीय राष्ट्रीय हैंडबॉल टीम के कोच श्री नवीन पूनिया जी ने कहा कि ब्रज को स्वच्छ रखना हम

सभी की नैतिक जिम्मेदारी है। ब्रजभूमि की पवित्रता, धार्मिक गरिमा और प्राकृतिक सुंदरता को बनाए रखना प्रत्येक ब्रजवासी, श्रद्धालु एवं पर्यटक का कर्तव्य है। उन्होंने स्वच्छता के प्रति जनभागीदारी का आह्वान करते हुए कहा कि सामूहिक प्रयासों से ही ब्रज को स्वच्छ, सुंदर और प्लास्टिक मुक्त बनाया जा सकता है। अभियान के दौरान अक्षय पात्र फाउंडेशन के कर्मचारियों, युवाओं एवं जन उदय विजन फाउंडेशन के सेवकों ने गिरिराज तलहटी में जगह-जगह बिखरे प्लास्टिक और अन्य कचरे को एकत्रित किया। एकत्रित कचरे को गार्बेज बैग में भरकर ट्रैक्टर के माध्यम से तलहटी से बाहर पहुंचाया गया। इस संयुक्त प्रयास का उद्देश्य गिरिराज परिक्रमा मार्ग एवं आसपास के



धार्मिक स्थलों को स्वच्छ बनाए रखने के साथ लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना रहा। अक्षय पात्र फाउंडेशन के श्री अनंत प्रभु जी ने उपस्थित युवाओं को संबोधित करते हुए ब्रजभूमि की स्वच्छता के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने युवाओं को प्रेरित किया कि वे स्वयं स्वच्छता के प्रति

जागरूक रहें और दूसरों को भी इसके लिए प्रोत्साहित करें। उन्होंने कहा कि ब्रज की पवित्र भूमि की सेवा केवल सफाई करने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके पर्यावरण, धार्मिक स्थलों और प्राकृतिक संपदा की रक्षा करना भी हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। श्री अनंत प्रभु जी ने युवाओं

को नशे से दूर रहकर स्वस्थ, अनुशासित एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए भी प्रेरित किया। उन्होंने आह्वान किया कि युवा स्वच्छता और नशामुक्ति के संदेश को अपने परिवार, मित्रों और समाज तक पहुंचाएं, जिससे एक स्वस्थ, जागरूक और जिम्मेदार समाज का निर्माण हो सके।

श्री नवीन पूनिया जी ने भी स्वच्छता को दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक स्थलों पर कचरा न फैलाना, प्लास्टिक के अनावश्यक उपयोग से बचना और दूसरों को भी इसके लिए जागरूक करना प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। युवाओं की ऊर्जा, जागरूकता और सामूहिक सहभागिता से स्वच्छ ब्रज एवं नशामुक्त समाज

के संकल्प को साकार किया जा सकता है। इस अवसर पर अक्षय पात्र फाउंडेशन की ओर से श्री राजीव रावत जी, श्री अमित झा जी, जनसंपर्क विभाग से श्री जितेंद्र शर्मा जी एवं श्री विष्णु शर्मा जी, सुश्री आकांक्षा जी, श्री मनीष जी तथा अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे। वहीं, जन उदय विजन फाउंडेशन की ओर से श्री कुंज बिहारी पांडे जी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। उनके साथ संगठन के अन्य सेवकों ने भी स्वच्छता अभियान में सक्रिय सहभागिता की। अक्षय पात्र फाउंडेशन एवं जन उदय विजन फाउंडेशन की यह संयुक्त पहल स्वच्छ ब्रज, प्लास्टिक मुक्त वातावरण, पर्यावरण संरक्षण और युवाओं में सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक सार्थक प्रयास रही।

पीताम्बरा भक्त मंडल की 21 वीं निशुल्क धार्मिक यात्रा संपन्न



शिवपुरी, जीएनएस।
दतिया स्थित शक्तिपीठ मां बगुलामुखी के दर्शन हेतु गठित मां पीताम्बरा भक्त मंडल शिवपुरी की 21वीं निशुल्क पीताम्बरा पीठ यात्रा आज (17 अक्टूबर 2026) अत्यंत श्रद्धा और उल्लास के साथ संपन्न हुई। इस विशेष यात्रा के दौरान लगभग एक सैकड़ (100) श्रद्धालुओं को मां के दर्शन के लिए निशुल्क बस द्वारा दतिया ले जाया गया, जहाँ सभी भक्तों के लिए भव्य भोजन प्रसादी की भी विशेष व्यवस्था की गई थी।

पीताम्बरा भक्त मंडल के प्रमुख राजेंद्र गुप्ता एवं राहुल गुप्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि वर्ष 2025 से इस मंडल द्वारा अनवरत रूप से श्रद्धालुओं को मां पीताम्बरा पीठ के निःशुल्क दर्शन कराए जा रहे हैं। इस धार्मिक अनुष्ठान का मुख्य उद्देश्य उन सभी भक्तों को मां के दरबार तक पहुंचाना है, जो आर्थिक कारणों से यात्रा करने में असमर्थ हैं। यात्रा के दौरान मंडल की ओर से भक्तों के सफर और

भोजन प्रसादी का पूरा जिम्मा उठाया जाता है। अभी तक इस सेवा के माध्यम से सैकड़ों की संख्या में शिवपुरी के श्रद्धालु मां बगुलामुखी के अलौकिक दर्शन का लाभ ले चुके हैं।

बस और यात्रा मार्ग - जय मां पीताम्बरा, - जय मां बगुलामुखी - के जयकारों से गुंज उठा। दतिया पहुंचने पर सभी श्रद्धालुओं ने मां के दरबार में मत् टेककर नगर और अपने परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की।

मंडल की आगामी योजनाएं सफलतापूर्वक संपन्न हुई इस 21वीं यात्रा के बाद पीताम्बरा भक्त मंडल के सदस्यों ने बताया कि आने वाले दिनों में इस यात्रा के दायरे को और अधिक बढ़ाया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक लोग मां के दर्शन का लाभ प्राप्त कर सकें। इस धार्मिक और सामाजिक पहल की शिवपुरी शहर में चहुंओर सराहना हो रही है और स्थानीय नागरिकों ने मंडल के इस सेवा कार्य को अनुकरणीय बताया है।

बाबूजी की बगिया गुड़ा में माता रानी को लगाया 56 भोग, कार्यकर्ताओं के सहयोग से हुआ भव्य आयोजन

गुड़ा, जीएनएस।

नगर में नवरात्रि पर्व के अवसर पर बाबूजी की बगिया गुड़ा में प्रतिवर्ष की परंपरा का निर्वहन करते हुए इस वर्ष भी माता रानी की पूजा-अर्चना, 56 भोग एवं महाआरती का आयोजन किया गया। धार्मिक आयोजन में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर माता रानी के दर्शन किए और सुख-समृद्धि की कामना की।

कार्यक्रम के दौरान माता रानी को विधि-विधान से 56 भोग अर्पित किए गए। इसके पश्चात महाआरती संपन्न हुई। माता रानी के जयकारों से परिसर भक्तिमय हो



गया। नवरात्रि के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। आयोजन के माध्यम से क्षेत्र में धार्मिक आस्था एवं सामाजिक समरसता का संदेश

दिया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में नवरात्रि आयोजन समिति के कार्यकर्ताओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इसमें चिराग दुबे, हर्षित दुबे, ऋतिक दुबे, देवेश चौरसिया, आर्यन गोस्वामी, अजय

बाथम, कौशल तिवारी, अनिल गोस्वामी, गिरराज तिवारी, शिवप्रताप सिंह परमार, राघवेंद्र परमार, विद्याराम बघेल, मोनू चौरसिया, अजय रावत, गजेंद्र शर्मा, धीरेंद्र चौहान, राजकुमार नामदेव, योगेश तिवारी, पीयूष तिवारी, राहुल चौरसिया, मनीष चौरसिया एवं संजय भार्गव सहित अन्य सहयोगियों ने आयोजन में सहभागिता निभाई। आयोजन के समापन पर माता रानी की आराधना कर क्षेत्र की सुख-शांति, खुशहाली एवं समृद्धि की कामना की गई। बाबूजी की बगिया में आयोजित इस धार्मिक कार्यक्रम ने नवरात्रि के उल्लास को और बढ़ाया।

पार्षद जितेंद्र सिंह के नेतृत्व में विकास के पथ पर अग्रसर वार्ड-15 गणेश कुंज कॉलोनी में हुआ गली नंबर-3 का उद्घाटन

मथुरा, जीएनएस।

विकास कार्यों की श्रृंखला को आगे बढ़ाते हुए वार्ड नंबर-15 में लगातार जनहित के कार्य किए जा रहे हैं। इसी क्रम में आज वार्ड-15 के अंतर्गत आने वाली गणेश कुंज कॉलोनी (गली नंबर-3) के नवनिर्मित मार्ग का भव्य उद्घाटन किया गया। क्षेत्रवासियों की लंबे समय से चली आ रही इस मांग के पूरा होने से स्थानीय नागरिकों में



भारी उत्साह देखा गया। उद्घाटन समारोह में वार्ड-15 के लोकप्रिय पार्षद जितेंद्र सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की विशिष्ट शोभा बढ़ाई राष्ट्रीय अपराध

रोकथाम परिषद के चेयरमैन एवं नेशनल जर्नलिस्ट यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अरविंद चित्तौड़िया ने, इसके साथ ही मासूम नगर के प्रधान जी सहित क्षेत्र के तमाम गणमान्य नागरिक और स्थानीय निवासी बड़ी संख्या में कार्यक्रम में शामिल हुए। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए पार्षद जितेंद्र सिंह ने कहा कि वार्ड-15 का समग्र विकास और जनसेवा उनकी

सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि क्षेत्र की सभी बची हुई गलियों का निर्माण कार्य प्राथमिकता के आधार पर कराया जा रहा है। सुरक्षा और सुविधा को ध्यान में रखते हुए मुख्य मार्गों पर आधुनिक लाइटों की व्यवस्था की गई है, जिससे रात्रि के समय आवागमन करने वाले राहगीरों और महिलाओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

मारपीट करने एवं देर रात गदर करने वाले बदमाशों पर कड़ी कार्यवाही, 03 को भेजा जेल

उक्त निर्देशों के तारतम्य में पुलिस उपायुक्त जोन-02 श्री विकास सहवाल (भा.पु.से.) द्वारा गुण्डे बदमाशों पर कार्यवाही करने हेतु निर्देश दिये गये, जिस पर अति.पुलिस उपायुक्त सुश्री मिनी शुक्ला (भा.पु.से.) के नित्य पर्यवेक्षण तथा सहायक पुलिस आयुक्त एम.पी. नगर संभाग श्री मनोज कुमार (भा.पु.से.) के सतत मार्गदर्शन में थाना प्रभारी निरीक्षक महेश लिलहारे के नेतृत्व में थाना अयोध्यानगर पुलिस ने घर में घुसकर मारपीट करने वाले 01 तथा देर रात क्षेत्र में गदर करने वाले 02 आरोपी सहित 03 बदमाशों को

गिरफ्तार कर भेजा जेल।
घटना का विवरण:-
दिनांक 28.09.2026 को फरियादी रामाधर मालवीय ने रिपोर्ट किया, रात्रि करीबन 12.30 बजे पुरानी रंजिश को लेकर आरोपी विनोद लोधी, चेतन लोधी, राहुल अन्य उसके साथी आये और पुरानी बात को लेकर घर के बाहर खड़े ऑटो क्र. 04 ए 6443 में भी तोड़ फोड़ करते हुए वहां बैठी गंदगी गाली देती है घर में घुसकर मेरी और मेरे परिवार के साथ लाठी डंडों से मारपीट की गई और घर में भी तोड़ की गई, की रिपोर्ट पर आरोपी विनोद लोधी और उसके साथियों के

विरुद्ध अपराध क्रमांक 500/26 धारा 333, 324(4), 115(2), 296(बी), 351(2), 3(5) बीएनएस का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया था, जिसमें फरार चल रहे आरोपी बदमाश विनोद लोधी पिता स्व. जय सिंह लोधी उम्र 30 साल निवासी ग्रीन सिटी कॉलोनी सूखीसेवनिया भोपाल को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया।
घटना 2. - इसके अतिरिक्त दिनांक 17.10.2026 को देर रात्रि में गदर करने वाले 02 व्यक्ति 1. बब्लू लोधी पिता हरिशंकर लोधी उम्र 22 साल निवासी शंकर खदान अयोध्या नगर भोपाल 2. अनिरुद्ध

गौर पिता गया प्रसाद गौर उम्र 24 साल निवासी भवानी धाम फेस 01 नरेला शंकर अयोध्या नगर भोपाल को जेल भेजा गया।
गिरफ्तार आरोपी -
1. विनोद लोधी पिता स्व. जय सिंह लोधी उम्र 30 साल निवासी ग्रीन सिटी कॉलोनी सूखीसेवनिया भोपाल।
शिक्षा - 5 वीं काम - मजदूरी।
आपराधिक रिकार्ड
1. अप. क्र. 323/2020 धारा 188 भादवि थाना छोला मंदिर
2. अप. क्र. 337/2023

धारा 294, 323, 324, 506 भ. अ. द. वि. 3(1)(द), 3(1)(ध), 3(1)(1डू) ह्ण ह्ण्ड डूण्ड थाना सूखी सेवनिया
3. अप. क्र. 391/2023 धारा 294, 323, 325, 506, 34 भादवि थाना अयोध्या नगर
4. अप. क्र. 355/2024 ध. अ. र. 115(2), 296, 324(4), 333, 351(2), 3(5) बीएनएस थाना अयोध्या नगर
5. अप. क्र. 51/2025 धारा 296, 118(1), 351(2) ब. ए. न. ए. स

3(1)(ह), 3(1)(द), 3(1)(ध), 3(1)(1डू) ह्ण ह्ण्ड डूण्ड थाना अयोध्या नगर
6. अप. क्र. 489/2026 ध. अ. र. 296 ए. 115(2), 351(2), 3(5) बीएनएस थाना अयोध्या नगर
7. अप. क्र. 493/2026 ध. अ. र. 296 ए. 115(2), 351(2), 3(5) बीएनएस थाना अयोध्या नगर
8. अप. क्र. 500/2026 ध. अ. र. 296 ए. 115(2), 351(2), 3(5) 333, 324(4) बीएनएस थाना अयोध्या नगर।

दक्षिण की राजनीति में बदलाव के संकेत

सौरभ वाण्योय

केंद्र सरकार के विधायी एजेंडे का समर्थन करने वाले दक्षिण भारतीय दलों का चुनाव आयोग के खिलाफ मुखर होना बदलते राजनीतिक समीकरणों का संकेत है। एसआईआर, वोट चोरी के आरोप और चुनावी निष्पक्षता पर उठते सवालों के बीच आगामी विधानसभा चुनावों में विपक्ष की रणनीति और सहयोगी दलों का रुख महत्वपूर्ण हो सकता है।

भारतीय राजनीति में बदलाव की आहट अब केवल उत्तर भारत तक सीमित नहीं दिखाई देती, बल्कि दक्षिण भारत के राजनीतिक गलियारों में भी नए समीकरण उभरते नजर आ रहे हैं। जिन क्षेत्रीय दलों ने संसद में कई मौकों पर केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार के विधायी एजेंडे को आगे बढ़ाने में सहयोग किया, उनमें से कुछ का चुनाव आयोग और चुनावी प्रक्रिया को लेकर अधिक मुखर होना राजनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है। सवाल यह है कि क्या यह केवल अपने राज्यों के राजनीतिक हितों की रक्षा का प्रयास है, या इसके पीछे राष्ट्रीय राजनीति में बदलते जनमत और सत्ता के समीकरणों का भी संकेत छिपा है?

दक्षिण भारत की राजनीति लंबे समय से अपनी अलग पहचान रखती है। तमिलनाडु, केरल, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में मतदाताओं के मुद्दे, क्षेत्रीय अस्मिता, सामाजिक न्याय, भाषा, विकास और स्थानीय नेतृत्व की भूमिका चुनावी परिणामों को प्रभावित करती रही है। यहां किसी राष्ट्रीय दल के लिए केवल राष्ट्रीय लोकप्रियता के आधार पर राजनीतिक बढ़त बनाए रखना

आसान नहीं होता। क्षेत्रीय दलों की मजबूत जड़ें और स्थानीय नेतृत्व की स्वीकार्यता केंद्र की राजनीति में भी उनकी भूमिका को महत्वपूर्ण बनाती हैं।

चुनाव आयोग की भूमिका और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर को लेकर उठ रहे सवाल अब व्यापक राजनीतिक बहस का विषय बनते जा रहे हैं। कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता, मतदाता सूची की शुद्धता और मताधिकार की सुरक्षा को लेकर सरकार तथा चुनाव आयोग से जवाब मांग रहे हैं। विपक्ष की ओर से लगाए जा रहे वोट चोरी के आरोपों ने भी इस बहस को राजनीतिक धार दी है। हालांकि, इन आरोपों को प्रमाणित तथ्य मानने के बजाय उनकी निष्पक्ष जांच, उपलब्ध साक्ष्यों और आयोग के जवाब के आधार पर परखना आवश्यक है।

ऐसे माहौल में यदि दक्षिण भारत के क्षेत्रीय दल भी खुलकर अपनी आपत्तियां सामने रखते हैं, तो इसे केवल विपक्षी राजनीति का विस्तार कहकर खारिज नहीं किया जा सकता। यह भी संभव है कि इन दलों को अपने राज्यों में मतदाता सूची, संघीय अधिकारों और चुनावी प्रतिस्पर्धा से जुड़े मुद्दों पर राजनीतिक दबाव महसूस हो रहा हो। उनके रुख से यह संकेत जरूर मिलता है कि संसद में किसी मुद्दे पर सहयोग और चुनावी व्यवस्था पर सवाल उठाने के बीच राजनीतिक दल अपना स्वतंत्र दृष्टिकोण बनाए रख सकते हैं।

यह प्रश्न आज राजनीतिक चर्चा के केंद्र में है कि क्या मोदी लहर की लोकप्रियता और भाजपा

की चुनावी पकड़ में पहले जैसी मजबूती नहीं रही। लेकिन किसी एक विरोध प्रदर्शन, प्रेस वार्ता या क्षेत्रीय दल के बदले हुए रुख को मोदी लहर के कमजोर पड़ने का निर्णायक प्रमाण मानना जल्दबाजी होगी। राष्ट्रीय राजनीति में लोकप्रियता का आकलन करने के लिए चुनावी नतीजों, जनमत सर्वेक्षणों, राज्यों के मुद्दों, गठबंधन की स्थिति और मतदाताओं के व्यवहार को समग्र रूप से देखना होगा।

यह जरूर है कि भारतीय मतदाता अब कई स्तरों पर राजनीतिक दलों का मूल्यांकन करते हैं। राष्ट्रीय नेतृत्व की लोकप्रियता के साथ महंगाई, रोजगार, सामाजिक सुरक्षा, स्थानीय विकास, किसानों की समस्याएं और लोकतांत्रिक संस्थाओं पर भरोसा भी महत्वपूर्ण हैं। यदि विपक्ष इन मुद्दों को जनता से प्रभावी ढंग से जोड़ने में सफल रहता है, तो भाजपा के सामने चुनौती बढ़ सकती है। दूसरी ओर, भाजपा का संगठन, नेतृत्व और व्यापक चुनावी नेटवर्क भी उसकी राजनीतिक ताकत के महत्वपूर्ण आधार हैं। इसलिए सवाल केवल मोदी लहर के कमजोर होने का नहीं, बल्कि यह है कि क्या विपक्ष अपने आरोपों और राजनीतिक नाराजगी को ठोस जनसमर्थन में बदलने की क्षमता विकसित कर रहा है।

कांग्रेस चुनाव आयोग के खिलाफ विरोध और वोट चोरी के आरोपों के माध्यम से चुनावी निष्पक्षता को प्रमुख राजनीतिक मुद्दा बनाने का प्रयास कर रही है। इस रणनीति का उद्देश्य केवल केंद्र सरकार को घेरना नहीं, बल्कि

मताधिकार और लोकतांत्रिक संस्थाओं से जुड़े प्रश्नों को आम मतदाता तक पहुंचाना भी है। हालांकि, किसी आंदोलन की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि वह जनता की वास्तविक चिंताओं से कितना जुड़ा है और उसके समर्थन में कितने विश्वसनीय तथ्य प्रस्तुत किए जाते हैं।

विपक्ष के सामने सबसे बड़ी चुनौती उसकी अपनी एकजुटता है। राष्ट्रीय स्तर पर साझा मुद्दे उठाना एक बात है, लेकिन राज्यों में सीटों का बंटवारा, नेतृत्व का प्रश्न और क्षेत्रीय हितों का समन्वय दूसरी बात। दक्षिण भारत के दल कांग्रेस के साथ किसी मुद्दे पर सहमत हो सकते हैं, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि वे हर चुनाव में कांग्रेस की रणनीति का हिस्सा बन जाएंगे। क्षेत्रीय दलों के अपने राजनीतिक लक्ष्य हैं और वे उन्हीं के आधार पर केंद्र सरकार तथा विपक्ष के साथ संबंध तय करते हैं।

यही कारण है कि चुनाव आयोग के मुद्दे पर साथ दिखाई देने वाले दल भविष्य में किसी अन्य राजनीतिक प्रश्न पर अलग-अलग रास्ते भी चुन सकते हैं। आने वाले विधानसभा चुनावों में एसआईआर और वोट चोरी के आरोप राजनीतिक विमर्श को प्रभावित कर सकते हैं। यदि विपक्ष मतदाता सूची से जुड़े ठोस उदाहरण, नाम हटने या गलत प्रविष्टियों की शिकायतों का सत्यापन और सुधार की स्पष्ट मांग जनता के सामने रखता है, तो यह मुद्दा चुनावी बहस में अधिक प्रभावी हो सकता है। लेकिन केवल नारों और आरोपों के सहारे व्यापक जनसमर्थन हासिल करना कठिन होगा।

मतदाता अपने क्षेत्र की परिस्थितियों, सरकार के कामकाज, उम्मीदवार की छवि, स्थानीय समस्याओं और भविष्य की उम्मीदों के आधार पर भी निर्णय लेते हैं। इसलिए यह मान लेना उचित नहीं होगा कि एसआईआर या वोट चोरी का मुद्दा हर राज्य में समान प्रभाव डालेगा। दक्षिण भारत के अलग-अलग राज्यों में स्थानीय राजनीतिक परिस्थितियां इस मुद्दे के असर को निर्धारित करेंगी।

यह भी एक अहम सवाल है कि क्या केंद्र सरकार को सहयोग देने वाले क्षेत्रीय या अन्य दल भविष्य में उससे दूरी बना सकते हैं। भारतीय गठबंधन राजनीति में समर्थन स्थायी वैचारिक प्रतिबद्धता से अधिक कई बार मुद्दों, राजनीतिक हितों और परिस्थितियों पर निर्भर करता है। यदि किसी दल को लगता है कि केंद्र सरकार के साथ उसके संबंध उसके राज्य की सहायता के लिए फायदेमंद हैं, तो वह अपना रुख बदलने पर विचार कर सकता है।

फिर भी, किसी दल की चुनाव आयोग के खिलाफ बयानबाजी या विरोध को केंद्र सरकार से समर्थन वापस लेने का संकेत मानना उचित नहीं होगा। इसके लिए दलों के आधिकारिक वक्तव्यों, संसदीय व्यवहार, गठबंधन संबंधों और ठोस राजनीतिक फैसलों को देखना जरूरी है।

संसद के आगामी शीतकालीन सत्र में चुनावी सुधार, मतदाता सूची, संघीय संबंधों और चुनाव आयोग की जवाबदेही जैसे विषयों पर बहस की संभावना राजनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण

रहेगी। विपक्ष इन मुद्दों को उठाने का प्रयास कर सकता है, जबकि सरकार अपने विधायी एजेंडे को आगे बढ़ाने पर ध्यान देगी। क्या क्षेत्रीय दल इस दौरान अपना स्वतंत्र रुख अपनाएंगे और क्या संसद में नए राजनीतिक समीकरण दिखाई देंगे, यह आने वाले समय में स्पष्ट होगा।

दक्षिण भारत की राजनीति में बढ़ती मुखरता को भारतीय लोकतंत्र के बदलते राजनीतिक संवाद के रूप में देखा जा सकता है। यह केंद्र सरकार के लिए चेतावनी हो सकती है कि क्षेत्रीय दलों के समर्थन को स्थायी मानकर नहीं चला जा सकता। वहीं विपक्ष के लिए भी यह अवसर है कि वह लोकतांत्रिक संस्थाओं, चुनावी पारदर्शिता और जनहित के मुद्दों पर व्यापक सहमति बनाने का प्रयास करे। लेकिन मोदी लहर के कमजोर पड़ने, सहयोगी दलों के अलग होने या आगामी विधानसभा चुनावों में विपक्ष की निर्णायक बढ़त जैसे निष्कर्ष अभी समय से पहले होंगे। वास्तविक तस्वीर चुनावी नतीजों, जनसमर्थन और राजनीतिक दलों के ठोस फैसलों से सामने आएगी। फिलहाल इतना स्पष्ट है कि भारतीय राजनीति में समर्थन और विरोध की रेखाएं पहले से अधिक परिस्थितिनिर्भर दिखाई दे रही हैं। आने वाले विधानसभा चुनाव और संसद का शीतकालीन सत्र यह तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं कि ये संकेत किसी बड़े राजनीतिक बदलाव की शुरुआत हैं या लोकतांत्रिक व्यवस्था के भीतर चल रहे सामान्य राजनीतिक पुनर्समायोजन का हिस्सा।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार, चिंतक, राजनीतिक विचारक है।

क्या मुंबई में खौफ फिर लौट आया है?

मुंबई को देश की आर्थिक राजधानी ही नहीं, बल्कि सपनों के शहर के रूप में भी जाना जाता है। यहां हर दिन लाखों लोग बेहतर भविष्य की उम्मीद लेकर पहुंचते हैं। मायानगरी की चमक-दमक, फिल्मी सितारों की लोकप्रियता, उद्योग व्यापार की रफ्तार और चौबीसों घंटे सक्रिय रहने वाली जिंदगी मुंबई की पहचान है। लेकिन जब इसी महानगर में सरेआम गोलीबारी की घटनाएं सामने आती हैं, तो एक सवाल स्वाभाविक रूप से उठता है। क्या मुंबई में खौफ फिर लौट आया है? क्या कभी संगठित अपराध और अंडरवर्ल्ड की दहशत के लिए चर्चा में रहने वाला यह शहर एक बार फिर असुरक्षा के साये में जाने लगा है? अभिनेता टाइगर श्रॉफ की गाड़ी पर जुहू के पुष्पा पार्क इलाके के पास कथित गोलीबारी की घटना ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा की हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, बाइक सवार तीन लोग वहां पहुंचे और अचानक टाइगर श्रॉफ की गाड़ी पर गोलियां चलाने लगे। इस घटना में अभिनेता के सुरक्षित होने की बात सामने आई है, जबकि उनके ड्राइवर और पास में मौजूद एक ऑटो-रिक्शा चालक के घायल

होने की सूचना है। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया और पुलिस हमलावरों की तलाश में जुटी है। यदि घटना से जुड़ी ये जानकारी जांच में पुष्ट होती है, तो यह केवल किसी फिल्मी सितारे की सुरक्षा का मामला नहीं रह जाता। यह उस आम नागरिक की सुरक्षा का भी प्रश्न बन जाता है, जो रोजी-रोटी कमाने के लिए सड़क पर निकलता है, ऑटो चलाता है, टैक्सी में सफर करता है या अपने काम से घर लौट रहा होता है।

किसी चर्चित अभिनेता की गाड़ी पर गोलीबारी होने से खबर सुर्खियों में आना स्वाभाविक है। टाइगर श्रॉफ की लोकप्रियता के कारण इस घटना पर देशभर की निगाहें टिकना भी असामान्य नहीं है। मगर इस घटना का सबसे गंभीर पहलू यह है कि गोलीबारी की चपेट में वे लोग भी आ सकते थे, जिनका न तो फिल्मी दुनिया से कोई संबंध है और न ही किसी विवाद से। ड्राइवर और ऑटो-रिक्शा चालक जैसे आम लोग ऐसी घटनाओं में बिना किसी गलती के अपनी जान जोखिम में डाल देते हैं। सवाल यह है कि अगर सार्वजनिक स्थानों पर इस तरह अचानक गोलियां चलाई जा

सकती हैं, तो आम नागरिक कितने सुरक्षित हैं? सड़क पर खड़ा व्यक्ति, बाजार में खरीदारी करने वाला परिवार, देर रात ड्यूटी से लौटता कर्मचारी और अपने बच्चों के साथ बाहर निकला अभिभावक। इन सभी को सुरक्षा का भरोसा मिलना चाहिए। कानून-व्यवस्था का वास्तविक आकलन केवल बड़े लोगों की सुरक्षा से नहीं, बल्कि आम जनता के भयमुक्त जीवन से होता है।

मुंबई ने एक दौर में अंडरवर्ल्ड, जबरन वसूली और संगठित अपराध की चुनौतियों का सामना किया है। उस दौर में फिल्म उद्योग, कारोबारी जगत और आम नागरिकों के बीच भय का वातावरण पैदा करने वाली घटनाएं भी हुई थीं। पुलिस की कार्रवाई, खुफिया तंत्र की सक्रियता और कानून के सख्त इस्तेमाल से शहर ने कई मोर्चों पर अपनी स्थिति मजबूत की।

ऐसे में गोलीबारी जैसी कोई घटना लोगों को उस पुराने दौर की याद दिला सकती है। हालांकि, किसी एक घटना के आधार पर यह निष्कर्ष निकालना उचित नहीं होगा कि मुंबई में अंडरवर्ल्ड का पुराना आतंक लौट आया है। इसके पीछे व्यक्तिगत रंजिश, आपराधिक

गिरोहों की गतिविधि, धमकी, वसूली या कोई अन्य कारण है या नहीं, यह जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट होगा। लेकिन इतना तय है कि ऐसी घटनाओं को हल्के में लेने की गुंजाइश नहीं है। समय रहते अपराधियों की पहचान, उनके नेटवर्क का खुलासा और हथियारों की उपलब्धता के स्रोत तक पहुंचना जरूरी है। यदि घटना के पीछे संगठित अपराध का हाथ निकलता है, तो कार्रवाई केवल गोली चलाने वालों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि पूरे नेटवर्क को ध्वस्त करने की दिशा में बढ़नी चाहिए।

मुंबई पुलिस देश के सबसे अनुभवी पुलिस बलों में गिनी जाती है। शहर की आबादी, आर्थिक गतिविधियों और संवेदनशील प्रतिष्ठानों को देखते हुए यहां सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखना एक बड़ी जिम्मेदारी है। ऐसे में पुलिस के सामने चुनौती केवल घटना के बाद आरोपियों को गिरफ्तार करने की नहीं, बल्कि भविष्य में इस तरह की वारदातों को रोकने की भी है।

जांच एजेंसियों को घटनास्थल के सीसीटीवी फुटेज, प्रत्यक्षदर्शियों के बयान, इस्तेमाल किए गए हथियारों और हमलावरों

के आने-जाने के रास्तों की पड़ताल करनी चाहिए। गोलीबारी के पीछे की मंशा का पता लगाना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। क्या किसी को डराने की कोशिश की गई? क्या किसी तरह की धमकी दी गई थी? क्या यह किसी आपराधिक गिरोह की गतिविधि है? इन सभी सवालों के जवाब तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर सामने आने चाहिए। साथ ही, घायल लोगों को बेहतर उपचार उपलब्ध कराने और उनके बयान दर्ज करने की प्रक्रिया में संवेदनशीलता बरतना जरूरी है। पुलिस की जांच पारदर्शी होनी चाहिए, ताकि जनता के बीच फैलने वाली अफवाहों और अनावश्यक भय पर भी अंकुश लगाया जा सके।

किसी महानगर में गोलीबारी की घटना केवल पुलिस की गश्त पर सवाल नहीं उठाती, बल्कि यह भी पूछती है कि अपराधियों तक हथियार कैसे पहुंच रहे हैं। यदि जांच में अवैध हथियारों के इस्तेमाल की पुष्टि होती है, तो हथियारों की तस्करी और उनकी आपूर्ति करने वाले नेटवर्क पर कार्रवाई अनिवार्य हो जाती है। अपराध रोकने के लिए सड़कों पर पुलिस की मौजूदगी के साथ-साथ खुफिया जानकारी जुटाने, संदिग्ध

गतिविधियों पर नजर रखने और विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों के बीच समन्वय को मजबूत करना होगा। संवेदनशील इलाकों में प्रभावी निगरानी, त्वरित पुलिस प्रतिक्रिया और तकनीक का जिम्मेदार इस्तेमाल अपराधियों के लिए मुश्किलें बढ़ा सकता है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि कानून का भय अपराधियों के मन में होना चाहिए, नागरिकों के मन में नहीं। यदि अपराधी इस विश्वास के साथ वारदात करते हैं कि वे आसानी से बच निकलेंगे, तो यह व्यवस्था के लिए गंभीर चेतावनी है। त्वरित जांच, निष्पक्ष अभियोजन और दोष सिद्ध होने पर कानून के अनुसार सजा ही न्याय व्यवस्था में विश्वास मजबूत कर सकती है।

ऐसी घटनाओं के बाद सोशल मीडिया पर तरह-तरह के दावे और अपुष्ट जानकारीयों प्रसारित होने लगती हैं। कभी किसी गिरोह का नाम उछाला जाता है, तो कभी बिना प्रमाण किसी बड़े षड्यंत्र की चर्चा होने लगती है। इससे जांच प्रभावित हो सकती है और आम लोगों में बेवजह डर फैल सकता है। मीडिया की जिम्मेदारी है कि वह घटना की गंभीरता को सामने लाए, पुलिस से जवाबदेही मांगे और जनता को सही जानकारी दे।

अचलेश्वर मंदिर से शुरू होकर फूलबाग मैदान पहुंचेगा चल समारोह, रास्ते में सजेंगी आकर्षक झांकियां और होगा भव्य स्वागत रामलीला चल समारोह आज, 150 बैड वादक बिखेरेंगे सुरों की छटा

ग्वालियर जीएनएस
श्री रामलीला समारोह समिति लश्कर की ओर से 20 अक्टूबर को श्री रामलीला चल समारोह उत्साह और उल्लास के साथ निकाला जाएगा। चल समारोह अचलेश्वर महादेव मंदिर से प्रारंभ होकर शहर के प्रमुख बाजारों और मार्गों से गुजरते हुए फूलबाग मैदान पहुंचेगा। यहां रावण, कुंभकरण और मेघनाथ के पुतलों का दहन किया जाएगा।

आयोजन को लेकर समिति ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। मार्ग में विभिन्न स्थानों पर भगवान श्रीराम के रथ का पूजन, पुष्पवर्षा और स्वागत किया जाएगा। समिति के अध्यक्ष राधेश्याम भाकर, स्वागताध्यक्ष मयंक गर्ग, संयोजक रमेश अग्रवाल (पूर्व विधायक), कार्यकारी अध्यक्ष सत्य प्रकाश मिश्रा, विजय गर्ग और कोषाध्यक्ष राजकुमार गुप्ता ने बताया कि चल समारोह के

सुव्यवस्थित संचालन के लिए रामनारायण मिश्रा और संजय कट्टल को संयोजक नियुक्त किया गया है।
शहर के प्रमुख बाजारों से गुजरेगा चल समारोह : चल समारोह अचलेश्वर महादेव मंदिर से शुरू होकर इंद्रगंज चौराहा, दाल बाजार, नया बाजार, लोहिया बाजार, ऊंट पुल, पाटनकर बाजार, दौलतगंज, महाराज बाड़ा, सराफा बाजार,

डीडवाना ओली, गस्त का ताजिया, फालका बाजार और छप्पर वाला पुल होते हुए शिंदे की छावनी से फूलबाग मैदान पहुंचेगा।
आकर्षक झांकियां रहेंगी विशेष आकर्षण : चल समारोह में भव्य प्रवेश द्वार, चार घोड़ों पर विभिन्न स्वरूपों में सजे पात्र, धमाल ढोल पाटी और इत्र वर्षा आकर्षण का केंद्र रहेंगे। इसके अलावा बाहुबली हनुमान,

बाहुबली भगवान नृसिंह, विशाल नंदी पर विराजमान भगवान शिव-पार्वती, सुरसा-हनुमान प्रसंग, अघोरी बाबा की टोली, राम रथ, रावण रथ, शबरी की झांकी और भगवान श्रीराम-हनुमान की झांकियां भी शामिल होंगी।
समारोह के अंत में भगवान का रथ विशेष आकर्षण रहेगा। आयोजकों के अनुसार रथ की सजावट में 150 रोशनी की

व्यवस्थाएं रहेंगी, जबकि 150 बैड वादक अपनी मधुर धुनों से वातावरण को भक्तिमय बनाएंगे। समिति ने धर्मप्रेमियों से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर धर्मलाभ लेने की अपील की है। साथ ही व्यापारिक और धार्मिक संस्थाओं से अपने-अपने बाजारों में भगवान श्रीराम के रथ का पूजन कर पुष्पवर्षा के साथ स्वागत करने का आग्रह किया है।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह एवं निकाह योजना में प्रति कन्या मिलेंगे 49 हजार

सामूहिक विवाह सम्मेलन 20 नवंबर को, आवेदन 5 नवंबर तक

ग्वालियर जीएनएस
नगर निगम ग्वालियर की ओर से मुख्यमंत्री कन्या विवाह एवं निकाह योजना के तहत 20 नवंबर 2026 को निशुल्क सामूहिक विवाह एवं निकाह सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। सम्मेलन में शामिल होने के लिए इच्छुक हितग्राही 5 नवंबर तक आवेदन जमा कर सकेंगे। योजना के तहत पात्र कन्याओं को 49 हजार रुपए की लाभ राशि दी जाएगी। उपयुक्त जनकल्याण उत्तम जखेनिया ने बताया कि योजना का लाभ लेने के लिए वर-वधू आवश्यक दस्तावेजों के साथ अपने नजदीकी क्षेत्रीय कार्यालय, जनमित्र केंद्र अथवा

नगर निगम कार्यालय में आवेदन जमा कर सकते हैं। इसके अलावा सिटी सेंटर स्थित नगर निगम मुख्यालय के जनकल्याण विभाग के कक्ष क्रमांक छह में भी पंजीयन की व्यवस्था की गई है।
आवेदन के लिए जरूरी दस्तावेज : आवेदन के साथ वर-वधू के तीन-तीन फोटो, आधार कार्ड की छायाप्रति, गरीबी रेखा राशन कार्ड, कन्या के बैंक खाते की छायाप्रति, कन्या का मूल निवासी प्रमाणपत्र, समग्र परिवार आईडी (ई-केवाईसी सहित) और जन्मतिथि प्रमाणपत्र प्रस्तुत करना होगा। जन्मतिथि के प्रमाण के लिए दसवीं कक्षा की अंकसूची या

चिकित्सा प्रमाणपत्र दिया जा सकता है। इसके अलावा वर-वधू के मतदाता पहचानपत्र या पैन कार्ड की छायाप्रति भी आवश्यक है। योजना का लाभ लेने के लिए कन्या का मध्यप्रदेश का मूल निवासी होना जरूरी है। कन्या की न्यूनतम आयु 18 वर्ष और वर की न्यूनतम आयु 21 वर्ष होनी चाहिए। निर्धारित पात्रता पूरी करने वाले आवेदकों के आवेदन ही मान्य किए जाएंगे। योजना से संबंधित अधिक जानकारी और आवेदन प्रक्रिया के लिए नोडल अधिकारी प्रशांत बैरा से मोबाइल नंबर 7000090982 पर संपर्क किया जा सकता है।

21वाँ आई.टी.एम. उद्भव उत्सव 24 से 27 अक्टूबर तक

ग्वालियर, जीएनएस।
संगीत और सांस्कृतिक विरासत के लिए विश्व में विशिष्ट पहचान रखने वाले ग्वालियर में एक बार फिर अंतर्राष्ट्रीय कला और संस्कृति का भव्य संगम होने जा रहा है। उद्भव सांस्कृतिक एवं क्रीड़ा संस्थान और आई.टी.एम. विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में 21वाँ आई.टी.एम. “उद्भव उत्सव” अंतर्राष्ट्रीय सांस्कृतिक ओलंपियाड 2026 का आयोजन 24 से 27 अक्टूबर तक किया जाएगा। चार दिवसीय इस आयोजन में देश-विदेश के कलाकार नृत्य, वाद्य संगीत और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। इसके साथ ही मॉडल यूनाइटेड नेशन ; रूह समिट युवाओं को अंतर्राष्ट्रीय विषयों पर विचार-विमर्श का अवसर प्रदान करेगी।

बीपीएल पेंशन हितग्राही जल्द कराएं सत्यापन, रुक सकती है पेंशन

ग्वालियर जीएनएस
बीपीएल परिवारों के ऐसे हितग्राही, जिन्हें इंदिरा गांधी पेंशन योजना के तहत प्रतिमाह 600 रुपये पेंशन मिलती है, वे जल्द अपना सत्यापन करा लें। सत्यापन नहीं कराने पर पेंशन मिलने में परेशानी हो सकती है। हितग्राही अपने निकटतम वार्ड कार्यालय अथवा नगर निगम कार्यालय पहुंचकर मोबाइल के माध्यम से सत्यापन करा सकते हैं।
उपायुक्त जनकल्याण उत्तम जखेनिया ने बताया कि पेंशन हितग्राहियों के डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र (डीएलसी) सत्यापन के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत सभी संबंधित



हितग्राहियों को अपना सत्यापन समय पर कराने की अपील की गई है। उन्होंने कहा कि हितग्राही निर्धारित प्रक्रिया के तहत डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र का सत्यापन कराएं, ताकि पेंशन संबंधी सेवाओं का लाभ सुचारू रूप से मिलता रहे। सत्यापन के लिए निकटतम वार्ड कार्यालय या नगर निगम कार्यालय में संपर्क किया जा सकता है।

शीतला माता मंदिर मार्ग हादसे के घायलों से मिलने अस्पताल पहुंचे विधायक डॉ. सिकरवार

ग्वालियर। शीतला माता मंदिर मार्ग पर हुए भीषण सड़क हादसे के बाद कांग्रेस विधायक डॉ. सतीश सिकरवार आज अस्पताल पहुंचे और हादसे में घायल श्रद्धालुओं एवं उनके परिजनों से मुलाकात की। विधायक डॉ. सिकरवार ने घायलों का हालचाल जाना और उनके दुख-दर्द को साझा करते हुए हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि ग्वालियर के शीतला माता मंदिर मार्ग पर हुए भीषण सड़क हादसे ने

मन को व्यथित कर दिया है। इस कठिन समय में हम सभी पीड़ित परिवारों के साथ खड़े हैं। उन्होंने कहा, इस हृदयविदारक हादसे में अपनों को खोने वाले परिवारों का दुख शब्दों में व्यक्त करना संभव नहीं है। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत पुण्यात्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान दें एवं शोकाकुल परिवारों को इस अपार दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें। दुख की इस घड़ी में मेरी संवेदनाएं पीड़ित परिवारों के साथ हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पूर्व महापौर एवं विधायक स्व. श्री रामेश्वर अखंड के निधन पर उनके निवास पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की

भोपाल जीएनएस
मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को पूर्व महापौर एवं पूर्व विधायक स्वर्गीय श्री रामेश्वर अखंड के मकसूर रोड स्थित निवास पर पहुंचकर उनके निधन पर शोक व्यक्त किया तथा शोक संतप्त परिवार को सांत्वना दी। मुख्यमंत्री ने स्व. श्री अखंड के चित्र पर पुष्पमाला अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। ज्ञात हो कि स्वर्गीय श्री अखंड 76 वर्ष के थे। वे काफी समय से अस्वस्थ चल रहे थे और रविवार को प्रातः

उनका निधन हो गया था। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्व. श्री अखंड के परिजन से मुलाकात की और उन्हें ढाढ़स बंधायी। इस दौरान उनके पुत्र डॉ. अनिल राज अखंड एवं श्री चेतन राज अखंड, उनकी धर्मपत्नी श्रीमती शांति देवी अखंड तथा अन्य परिजन उपस्थित थे। इस दौरान उज्जैन विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री रवि सोलंकी, सिंहस्थ विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री जगदीश अग्रवाल सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।



अंतर महाविद्यालयीन प्रतियोगिता में छह टीमों ने लिया हिस्सा, फाइनल में वीआरजी महाविद्यालय को हराया

महिला कबड्डी में एसओएस जीवाजी विश्वविद्यालय की टीम विजेता

ग्वालियर जीएनएस
मध्य प्रदेश शासन के उच्च शिक्षा विभाग और जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर के तत्वावधान में आयोजित अंतर महाविद्यालयीन महिला कबड्डी प्रतियोगिता 2026-27 में एसओएस जीवाजी विश्वविद्यालय की टीम ने विजेता का खिताब हासिल किया। माधव महाविद्यालय के आयोजन में पार्वती खेल अकादमी परिसर में हुई इस प्रतियोगिता में छह महाविद्यालयों की टीमों ने हिस्सा लेकर अपनी खेल प्रतिभा का

प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला एसओएस जीवाजी विश्वविद्यालय और वीआरजी महाविद्यालय की टीमों के बीच खेला गया। रोमांचक मुकाबले में एसओएस जीवाजी विश्वविद्यालय की खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज की और विजेता बनने का गौरव हासिल किया।
उद्घाटन सत्र में अतिथियों की मौजूदगी : प्रतियोगिता के उद्घाटन सत्र में मध्य भारत शिक्षा समिति के सचिव प्रो. राजेंद्र वैद्य, माधव महाविद्यालय शासी निकाय



के अध्यक्ष प्रो. विजय गंधीर, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के प्रांत संयोजक धीरेंद्र भदौरिया, पार्वती

खेल अकादमी के अध्यक्ष प्रो. राजेंद्र सिंह और माधव महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.

शिवकुमार शर्मा मंचासीन रहे। आयोजन में विभिन्न महाविद्यालयों के क्रीड़ा अधिकारी, प्राध्यापक, खेल प्रशिक्षक और अन्य गणमान्य अतिथि भी उपस्थित रहे।
विजेता टीम का सम्मान : समापन सत्र में पार्वतीबाई गोखले विज्ञान महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुनील पाठक, मध्य भारत शिक्षा समिति के प्रशासनिक अधिकारी डॉ. प्रदीप बाजपेयी और माधव महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. शिवकुमार शर्मा उपस्थित रहे। अतिथियों ने विजेता टीम को सम्मानित कर खिलाड़ियों का

उत्साहवर्धन किया और प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं। माधव महाविद्यालय के क्रीड़ा अधिकारी मुलायम सिंह जादौन ने बताया कि प्रतियोगिता का उद्देश्य महाविद्यालयीन स्तर पर महिला खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर प्रदान करना और खेल भावना को प्रोत्साहित करना है। उद्घाटन सत्र का संचालन डॉ. मनोज अवस्थी ने किया, जबकि आभार महाविद्यालय के प्राचार्य ने व्यक्त किया। समापन सत्र का संचालन डॉ. संजय पांडेय ने किया और आभार डॉ. दीपक शिंदे ने माना।

अवाडपुरा पार्क में स्थापित होगी डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की प्रतिमा

ग्वालियर, जीएनएस।
शहर में सार्वजनिक स्थलों के विकास, युवाओं को खेल सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा महान विभूतियों के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से नगर निगम ग्वालियर द्वारा विभिन्न विकास कार्यों पर ध्यान दिया जा रहा है। इसी क्रम में नगर निगम अध्यक्ष श्री मनोज तोमर ने दक्षिण विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत वार्ड क्रमांक 55 स्थित अवाडपुरा पार्क का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने भारत रत्न एवं देश के पूर्व

राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम जी की प्रतिमा स्थापित किए जाने हेतु प्रस्तावित स्थल का जायजा लिया। साथ ही क्षेत्र के युवाओं को क्रिकेट खेलने के लिए बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से निर्माणाधीन क्रिकेट टर्फ एरिना (बॉक्स क्रिकेट) के कार्य की प्रगति का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान निगम अध्यक्ष श्री तोमर ने पार्क में प्रतिमा स्थापना के लिए प्रस्तावित स्थल का अवलोकन करते हुए आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा



लिया। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम जी का जीवन सादगी, शिक्षा, वैज्ञानिक सोच, राष्ट्रसेवा और युवाओं को बड़े सपने देखने की प्रेरणा देने का प्रतीक रहा है। ऐसे में

पार्क में उनकी प्रतिमा की स्थापना से क्षेत्र के नागरिकों, विशेषकर युवाओं और विद्यार्थियों को प्रेरणा मिलेगी। साथ ही यह स्थल महान व्यक्तित्वों के प्रति सम्मान और युवाओं में प्रेरणादायी विचारों का प्रसार भी होगा। युवाओं के लिए विकसित हो रहा बॉक्स क्रिकेट एरिना: अवाडपुरा पार्क में युवाओं के लिए क्रिकेट टर्फ एरिना (बॉक्स क्रिकेट) के निर्माण कार्य का भी निरीक्षण किया गया। इस सुविधा के विकसित होने से क्षेत्र के युवाओं को क्रिकेट खेलने के लिए व्यवस्थित

स्थान उपलब्ध हो सकेगा। बॉक्स क्रिकेट जैसे आधुनिक खेल परिसर युवाओं को अपनी खेल प्रतिभा निखारने, नियमित शारीरिक गतिविधियों से जुड़ने तथा सकारात्मक गतिविधियों में भाग लेने के अवसर प्रदान करते हैं। निगम अध्यक्ष श्री तोमर ने निर्माण कार्य का जायजा लेकर इसकी प्रगति की जानकारी ली। पार्क में खेल सुविधाओं का विकास होने से स्थानीय युवाओं को अपने ही क्षेत्र में खेल गतिविधियों के लिए बेहतर अवसर मिल सकेंगे।

मध्य प्रदेश के सर्वश्रेष्ठ हॉकी फीडर सेंटर दर्पण हॉकी फीडर सेंटर की ट्रायल में खिलाड़ियों ने बहाया पसीना

खेल एवं युवा कल्याण विभाग मध्य प्रदेश शासन के सर्वश्रेष्ठ हॉकी फीडर सेंटर दर्पण हॉकी फीडर सेंटर ग्वालियर की वर्ष 2026-27 की चयन ट्रायल आज सुबह 6-00 बजे दर्पण मिनी हॉकी स्टेडियम पर मुख्य हॉकी प्रशिक्षक अविनाश भटनागर एवं चयन समिति के प्रमुख इम्तियाज खान (अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी), विवेक पिसाल वरिष्ठ राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी, दिलशाद खान वरिष्ठ राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी, मनोज परिहार वरिष्ठ राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी, पुष्पेंद्र सिंह वरिष्ठ राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी, निक्की कौशल

वरिष्ठ राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी, रईस कुरैशी वरिष्ठ राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी एवं अंपायर, कुमारी रितु अनामिका तिकी वरिष्ठ राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी एवं अंपायर, विक्रम सिंह वरिष्ठ राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी की देखरेख में चल रही है जिसमें आज खिलाड़ियों के फिजिकल फिटनेस के टेस्ट जिसमें 600 मीटर रनिंग, 30 मीटर स्प्रिंट, स्टैंडिंग ब्रॉड जंप, शटल रन, सिट आप, सिट एंड रीच, आदि टेस्ट लिए गए। आज शाम को 4-00 से सभी खिलाड़ियों के स्किल टेस्ट लिए जाएंगे !

झुग्गी-झोपड़ी की इन बेटियों के चेहरे पर मुस्कान लाना ही हमारी सच्ची नवरात्रि पूजा है

झुग्गी-झोपड़ी की इन बेटियों के चेहरे पर मुस्कान लाना ही हमारी सच्ची नवरात्रि पूजा है। इसी सेवा भावना के साथ श्री श्याम सेवा परिवार समिति द्वारा ग्वालियर के गोले का मंदिर क्षेत्र स्थित झुग्गी-झोपड़ी में नवरात्रि पर्व मनाया गया। इस अवसर पर समिति के सदस्यों ने निर्धन एवं जरूरतमंद परिवारों की कन्याओं का पूजन किया, उन्हें सम्मानपूर्वक भोजन कराया तथा उपहार स्वरूप लेखन सामग्री भेंट की।

कन्याओं को सम्मान, स्नेह और अपनापन देकर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया गया। कार्यक्रम में



बच्चियों के चेहरों पर दिखाई देने वाली खुशी ने सभी का मन मोह लिया। यह आयोजन केवल धार्मिक परंपरा तक सीमित नहीं रहा, बल्कि समाज को बेटियों के सम्मान, जरूरतमंदों की सहायता और मानवता की सेवा का प्रेरणादायक

संदेश भी दे गया। कन्याओं को शिक्षा में उपयोगी लेखन सामग्री प्रदान करना इस पहल का विशेष आकर्षण रहा। लोगों ने समिति के इस प्रयास की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए अनुकरणीय बताया। श्री श्याम सेवा परिवार समिति

धार्मिक आयोजनों के साथ-साथ नियमित रूप से जनसेवा के कार्यों में भी सक्रिय है। समिति द्वारा ग्वालियर के शासकीय अस्पताल में प्रतिदिन दोपहर 2 से 3 बजे तक जरूरतमंद मरीजों एवं उनके परिजनों को भोजन वितरित किया जाता है। समिति का प्रयास रहता है कि आंधी-तूफान, खराब मौसम या त्योहारों के बावजूद जरूरतमंदों तक भोजन सेवा निरंतर पहुंचती रहे। भूखे लोगों को भोजन उपलब्ध कराना और कठिन समय में जरूरतमंद परिवारों का सहारा बनना समिति की सेवा भावना का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

भीतर के रावण को जलाओ

अवगुणों को मत बढ़ने दो, अपने आप को परखो, चिंतन तो करो अपने व्यक्तित्व का, या फिर भीतर के रावण को जलाओ। बहुत जला चुके तुम रावण को, फिर भी तुम्हारे अंदर का पापी जिंदा है, उस नकारात्मकता को खत्म करो, पहले अपने भीतर के रावण को जलाओ। आज भी दस सिरों वाला महा-अभिमानि यू ही खड़ा है, उसके अहंकारी स्वरूप को मिटा दो, इन राक्षस, दानव, पापियों के खिलाफ एकजुट होकर आगे बढ़ो, लेकिन पहले अपने अंदर के रावण को जलाओ। काम, क्रोध, माया, लोभ के साथ, भ्रष्टाचार पर लगाम लगाओ, नारी शक्ति का मान-सम्मान करना सीखो और सिखाओ, पहले अपने अंदर के रावण को जलाओ...।। स्वतंत्र लेखक हरिहर सिंह चौहान इन्दौर

शाखा सहयोग द्वारा किया भंडारा

नगर सेवा ही नारायण सेवा है- के मूल मंत्र को साकार करते हुए भारत विकास परिषद मध्य भारत उत्तर प्रांत की सहयोग शाखा द्वारा 18 अक्टूबर 2026 को शारदीय नवरात्रि की अष्टमी को, विनय नगर जेल रोड ग्वालियर में भारत विकास परिषद के सेवा प्रकल्प के अंतर्गत शाखा के वरिष्ठ सदस्य एवं कार्यक्रम के संयोजक श्री कन्हैयालाल सिंघल एवं भारत विकास परिषद शाखा सहयोग के अध्यक्ष सुभाष अग्रवाल सहित पूरी टीम द्वारा सुबह 10 बजे से पूरे सम्मान और आदर के साथ लगभग 1000 आमजन को भोजन प्रसादी वितरित की गई। सेवा के पुण्य कार्य में भारत विकास परिषद सहयोग शाखा के सभी सदस्य एक परिवार की तरह सहभागी बने। सहयोग शाखा का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक सेवा और संस्कार पहुंचाना है। इस सेवा कार्य में शाखा अध्यक्ष सुभाष अग्रवाल, सचिव रामनाथ अग्रवाल, कोषाध्यक्ष दिनेश चंद्र बंसल, संयोजक कन्हैयालाल सिंघल, अरुण बंसल, रवि गर्ग चंद्रप्रकाश अग्रवाल, रवि शंकर गोयल, अशोक तलुजा सहित परिषद के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं समाज के गणमान्यजन उपस्थित थे।

दबोह पुलिस की तत्परता, महज 12 घंटे में लापता किशोरी को खोज निकाला

दबोह, जीएनएस।

दबोह थाना पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए लापता हुई 16 वर्षीय किशोरी को महज 12 घंटे के भीतर सकुशल खोज निकालने में सफलता हासिल की है। किशोरी के अचानक लापता होने से परेशान परिजनों ने दबोह थाने में शिकायत दर्ज कराई थी, जिसके बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तलाश शुरू की थी। प्राप्त जानकारी के अनुसार दबोह थाना अंतर्गत ग्राम जगदीशपुरा निवासी वीर सिंह दोहरे की 16 वर्षीय पुत्री चाहना

दोहरे घर से दबोह बाजार में फोटोकॉपी कराने के लिए आई थी, लेकिन काफी समय बीत जाने के बाद भी वह वापस घर नहीं पहुंची। परिजनों ने अपने स्तर पर आसपास एवं रिश्तेदारों के यहां तलाश की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं लगा। इसी बीच किशोरी की साइकिल दबोह थाने के पास मिलने से परिजनों की चिंता और बढ़ गई। परेशान पिता ने दबोह थाने पहुंचकर पुत्री के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज कराई। शिकायत मिलते ही

सक्रिय हुई पुलिस: मामले की गंभीरता को देखते हुए दबोह पुलिस ने किशोरी की तलाश शुरू की। दबोह पुलिस के अनुसार उसे रूर सरकार की पुलिसिया के पास से दस्तयाब किया पुलिस के प्रयासों से महज 12 घंटे के भीतर लापता किशोरी को खोज निकाला गया। किशोरी के सकुशल मिलने से परिजनों ने राहत की सांस ली। वहीं किशोरी के लापता होने के कारणों एवं अन्य परिस्थितियों को लेकर पुलिस द्वारा आवश्यक जांच की जा रही है।

श्री शीतलनाथ भगवान के चार कल्याणक भूमि पर वार्षिक महामहोत्सव सम्पन्न

विदिशा, जीएनएस।
प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी श्री शीतलनाथ भगवान के चार कल्याणक भूमि भदलपुर उदयगिरि पर वार्षिक मेले का भव्य आयोजन सम्पन्न हुआ। प्रवक्ता डॉ मकखन लाल जैन द्वारा बताया गया कि 19 तारीख दिन सोमवार शीतल अष्टमी के पावन पर्व पर श्री शीतलनाथ भगवान का मोक्ष कल्याणक महा महोत्सव बड़े ही धूम धाम से मनाया गया। सुबह 7 बजे से श्री शीतलनाथ दिगम्बर जैन बड़ा मंदिर किले अंदर में 1008 श्री शीतलनाथ भगवान का अभिषेक

, पूजन व निर्वाण लाडू चढ़ाया गया। प्रातः 9 बजे से जिसके पश्चात उदयगिरि नसिया जी मे चांदी की पालकी में श्री जिनेंद्र शोभायात्रा पहाड़ तक निकाली गई। जिसमें बड़ी संख्या ने श्रद्धालुओं ने भक्ति संगीत से नृत्य गान करते हुए निकली। जो वापिस नसिया जी पहुंची, जिसके उपरांत ध्यावजारोहण कर्ता पं शिखरचंद जैन, संजय, राजीव, आलोक परिवार को प्राप्त हुआ। जिसके पश्चात पं शुभम शास्त्री ज्ञानोदय तीर्थ प्राचार्य दीवानगंज द्वारा आध्यात्मिक स्वाध्याय कराया गया, जिसमें उन्होंने इस्टोपदेश की गाथा पर

प्रवचन किया। जिसके प्रश्नात बा ब्र अमित भैया द्वारा महा मस्तकाभिषेक, पूजन व निर्वाण लाडू का कार्यक्रम सानंद सम्पन्न हुआ। जिसमें प्रथम कलश पं शिखरचंद जैन अलंकार परिवार, द्वितीय एड अनुभव जैन, एड चक्रवर्ती जैन, संजय जैन, तृतीय सतेंद्र लश्करी परिवार, चतुर्थ डॉ एम एल जैन, जैन ऑप्टिकल्स परिवार, पांचवी शिखर चंद जैन एमपीईबी परिवार को प्राप्त हुआ। तत्पश्चात सभी साधर्मियों का वात्सल्य भोजन का कार्यक्रम ट्रस्ट कमेटी द्वारा कराया गया।

रणकौशला माता के दर्शन को जा रहे श्रद्धालुओं के लिए व्यापारियों ने लगाया भंडारा

दबोह, जीएनएस।

धार्मिक आस्था एवं सेवा भावना का परिचय देते हुए दबोह नगर के व्यापारियों द्वारा मां रणकौशला मंदिर पर ज्वारे विसर्जन एवं माता रानी के दर्शन करने जा रहे श्रद्धालुओं के लिए तरसोलिया आटा मील पर भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें सभी भक्तों को प्रसादी वितरण किया गया। मां रणकौशला के दरबार में ज्वारे विसर्जन करने एवं दर्शन के लिए जा रहे भक्तों की सेवा के उद्देश्य से नगर के प्रमुख व्यापारियों ने सामूहिक रूप से यह आयोजन रखा गया है। व्यापारियों की इस



धार्मिक एवं सामाजिक पहल की श्रद्धालुओं ने आयोजकों की तारीफ की बता दे कि दबोह क्षेत्र का प्रसिद्ध मंदिर प्राचीन नाम रणकौशला से भी जाना जाता है। पर आमजन अपनी भाषा में इसे रहकौला नाम से भी कहते हैं। इस भंडारे में प्रमुख रूप से डॉ. उमाशंकर गुप्ता, श्याम

शिवहरे, सोनू तरसोलिया, भैया सेठ, आनंद सोनी, रामनरेश शिवहरे ठेकेदार, डॉ. बी. कुमार एवं हरदेश नायक सहित नगर के व्यापारियों का विशेष सहयोग रहा। व्यापारियों ने बताया कि धार्मिक आयोजनों में श्रद्धालुओं की सेवा करना पुण्य का कार्य है।

प्रसिद्ध बनखंडी मंदिर भक्तों का बना आस्था का केंद्र अष्टमी पर्व पर उमड़ा भक्तों का जन सैलाब

जालौन, जीएनएस।

नगर के प्राचीन मंदिर बनखंडी देवी मंदिर में महंत जमुना दास महाराज के सानिध्य में नवदुर्गा पर्व की शुरुआत से भक्तों का सिलसिला मंदिर में पहुंचने का बराबर जारी रहा वहीं भक्तों ने पहुंचकर अपनी पूजा अर्चना की तथा मनोकामना पूरी करने पर आशीर्वाद मांगा मौजूद भक्तों द्वारा जय कारों से मंदिर चारों तरफ तथा नगरी रोमांचक सुशोभित होती हुई नजर आती है।

रविवार के दिन अष्टमी पर्व में भक्त जनो में जैसे महिलाएं पुरुष युवा लड़कियां नन्हे मुन्हे लड़के सभी लोगों ने मां बनखंडी देवी



दरबार में पहुंचकर पूजा अर्चना की तथा मां दरबार में माथा टेक कर सुख शांति एवं मनोकामना पूरी करने हेतु आशीर्वाद प्राप्त किया उक्त मंदिर मां बनखंडी देवी की कृपा से तथा महंत जमुना दास महाराज के अथक प्रयास से मंदिर की रोचकता दिनों दिन बढ़ती हुई नजर आ रही है

मां बनखंडी देवी ने कई वर्षों पूर्व जंगल में देवी के रूप में भक्तों को प्राप्त हुई थी तभी से एक मठिया में विराजमान हुई मां देवी की भक्तों द्वारा पूजा अर्चना बराबर की जा रही थी मां देवी ने महंत जमुना दास महाराज को स्वप्न देकर मंदिर के रखरखाव हेतु बुलावा किया था वहीं देवी के बुलावे में महंत ने मंदिर में आकर मंदिर की रखरखाव तथा मंदिर को सुशोभित करने की कमान संभाली तभी से मंदिर की आय को ध्यान में रखते हुए मंदिर की बढ़ती दिनों दिन ऊंचाइयों में पहुंच रही है इतना भी नहीं मां देवी का दरबार भक्तों के बीच विख्यात है कोई भी भक्त मां के दरबार में दर्शन कर जो

अपनी मनोकामना मानता है मां देवी उसकी मनोकामना सदैव पूर्ण करती है इसीलिए मां देवी का दरबार प्रतिदिन से लेकर रात्रि तक चारों तरफ भक्तों के आने जाने में सदैव गुलजार होता हुआ सुशोभित नजर आता है मंदिर में मां की प्रेरणा से मौजूद महंत के भक्तों द्वारा चरण बंधन करने से उनके द्वारा मिला आशीर्वाद भक्तों के लिए सदैव सुख शांति एवं दिनों दिन बढ़ती होती हुई नजर आती है इस मंदिर में जनपद के ही नहीं भक्त कई जनपदों तथा प्रदेश के भक्तों ने आकर मां दरबार पर जो आराधना की है उनका सदैव सफलता अवश्य मिली है।

छात्रा एक दिन कोतवाली बनकर फरियादियों की समस्याएं सुनकर तत्काल निस्तारण करने के लिए निर्देश



जालौन, जीएनएस।

एम एस बी इंटर कॉलेज कालपी कक्षा 8 की छात्रा आस्था बिशनोई को प्रभारी निरीक्षक अजय ब्रह्म तिवारी ने कोतवाली कालपी प्रभारी निरीक्षक पद का एक दिन हेतु दायित्व सौंपा उक्त छात्रा बिशनोई ने नवागंतुक प्रभारी निरीक्षक पद संभालते हुए बैठकर प्रभारी निरीक्षक तिवारी की उपस्थिति में बीते दिन शनिवार के दिन आए हुए फरियादियों में ग्राम उसर गांव निवासी देशराज पुत्र गुलाम की शिकायत सुनकर तत्काल कार्यालय

में मौजूद मुंशी विनीता एवं शैलेंद्र को मुकदमा दर्ज करने का आदेश तत्काल दिया वहीं नवागंतुक प्रभारी निरीक्षक का फरमान मिलते ही कार्यालय मुंशीयों ने तत्काल हमलावरों खिलाफ मुकदमा दर्ज कर पीडित को चिक रसीद उपलब्ध कराकर कार्यवाही अमल में लाई गई इतना भी नहीं कोतवाली में आए हुए फरियादियों की समस्या सुनकर यथा संभव निस्तारण कर फरियादियों को संतुष्ट कर घर को रवाना किया फरियादियों की समस्याओं को सुनते वक्त मौजूद लोगों में वरिष्ठ उप निरीक्षक उदय प्रताप सिंह महिला उपनिरीक्षक ममता मिश्रा कंजूर ऑपरेटर दीपेंद्र मिश्रा मुंशी वीरेंद्र आदि स्टाफ मौजूद था।

क्रॉस कंट्री में अनुराग भदौरिया और निधि तोमर ने मारी बाजी

ग्वालियर, जीएनएस।

जीवाजी विश्वविद्यालय की शारीरिक शिक्षा अध्ययनशाला की ओर से शनिवार को आयोजित अंतरमहाविद्यालयीन क्रॉस कंट्री प्रतियोगिता में पुरुष वर्ग में एसएलपी कॉलेज मुरार के अनुराग भदौरिया और महिला वर्ग में निधि तोमर ने बाजी मारी। प्रतियोगिता में पुरुष वर्ग के 11 और महिला वर्ग के चार महाविद्यालयों के खिलाड़ियों ने हिस्सा लेकर अपनी खेल प्रतिभा और दमखम का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य अतिथि एवं



कार्यपरिषद सदस्य प्रदीप शर्मा ने खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करते हुए हरीझंडी दिखाकर किया। इस अवसर पर श्याम विशिष्ट अतिथि

के रूप में मौजूद रहे। प्रतियोगिता के पुरुष वर्ग में अनुराग भदौरिया ने पहला स्थान हासिल किया, जबकि आकाश दूसरे और रंजीत तीसरे

स्थान पर रहे। वहीं महिला वर्ग में निधि तोमर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पहला स्थान प्राप्त किया। पायल दूसरे और अंजली तीसरे स्थान पर रहीं। प्रतियोगिता के आयोजन में विभिन्न महाविद्यालयों के क्रीड़ा अधिकारियों और शारीरिक शिक्षा अध्ययनशाला के अतिथि शिक्षकों ने सहयोग दिया। समापन अवसर पर अध्ययनशाला के निदेशक डॉ. विजय मोघे और सहायक निदेशक डॉ. ज्योति गुर्जर ने अतिथियों, खिलाड़ियों और आयोजन में सहयोग करने वाले सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया।

अरुणाचल की वादियों में ग्वालियर के कैडेटों ने दिखाया शौर्य

ग्वालियर, जीएनएस।

अरुणाचल प्रदेश की पहाड़ियों में ग्वालियर के एनसीसी कैडेटों ने साहस, अनुशासन और टीम भावना का परिचय दिया। अखिल भारतीय एनसीसी तेजपुर ट्रेकिंग कैंप में कैडेटों ने छह दिन तक दुर्गम पहाड़ी रास्तों पर ट्रेकिंग कर अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया। साहसिक गतिविधियों के साथ कैंप में सांस्कृतिक आदान-प्रदान और राष्ट्रीय एकता पर भी विशेष जोर दिया गया। कैप्टन डॉ. समीर भार्गव के नेतृत्व में ग्वालियर रूप के कैडेटों ने इसमें सहभागिता की। कैंप में मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ निदेशालय के कुल 102 कैडेट शामिल हुए।



-कठिन पहाड़ी रास्तों पर परखा साहस और धैर्य कैंप के दौरान अरुणाचल प्रदेश की राजधानी ईटानगर की पहाड़ियों में लगातार छह दिनों तक ट्रेकिंग कराई गई। दुर्गम रास्तों पर ट्रेकिंग के दौरान कैडेटों ने साहस, धैर्य और अनुशासन का परिचय दिया। इस गतिविधि ने उन्हें

चुनौतियों का सामना करने, एक-दूसरे का सहयोग करने और सामूहिक रूप से लक्ष्य हासिल करने का अनुभव दिया। एनसीसी के माध्यम से युवाओं में नेतृत्व क्षमता और आत्मविश्वास विकसित करने की दिशा में यह कैंप महत्वपूर्ण रहा। -लोकगीत, लोकनृत्य और

प्रेजेंटेशन से उभरी सांस्कृतिक विविधता

ट्रेकिंग के साथ कैंप में विभिन्न राज्यों की संस्कृति और परंपराओं को जानने-समझने के लिए कई गतिविधियां आयोजित की गईं। कैडेटों ने अपने-अपने राज्यों के त्योहारों, खानपान, पारंपरिक वेशभूषा, ऐतिहासिक विरासत और पर्यटन स्थलों पर प्रेजेंटेशन दिए। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में लोकगीतों और लोकनृत्यों की प्रस्तुतियों ने देश की विविधतापूर्ण संस्कृति को प्रदर्शित किया। राज्यों की संस्कृति और परंपराओं पर आधारित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में भी कैडेटों ने उत्साह से भाग लिया।

जीवाजी विश्वविद्यालय से सुरत द्विवेदी को मिली पीएचडी की उपाधि

ग्वालियर। जीवाजी विश्वविद्यालय में शिक्षाशास्त्र विषय में शोधार्थी सुरत द्विवेदी को पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई है। उन्होंने नई शिक्षा नीति-2020 के आधार पर माध्यमिक एवं हाईस्कूल के शिक्षकों में जागरूकता का तुलनात्मक अध्ययन विषय पर शोध कार्य पूरा किया है। उनका शोध ग्वालियर जिले के विशेष संदर्भ में केंद्रित रहा। सुरत द्विवेदी ने अपना शोध कार्य मार्गदर्शक डॉ. कमलेश सिंह के निर्देशन में पूरा किया। उनके शोध में नई शिक्षा नीति-2020 के प्रति माध्यमिक एवं हाईस्कूल के शिक्षकों की जागरूकता का तुलनात्मक अध्ययन किया गया है। सुरत द्विवेदी, डॉ. अनुराग द्विवेदी की धर्मपत्नी हैं।

अकोला में चौधरी चरण सिंह टेनिस क्रिकेट महाकुंभ का मध्य समापन उपेन्द्र सिंह ने विजेता टीम को दिया 31 हजार का पुरस्कार

अकोला (आगरा)।

आगरा ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के अकोला में 4 अक्टूबर से चल रही चौधरी चरण सिंह टेनिस क्रिकेट महाकुंभ प्रतियोगिता का रविवार को भव्य समापन हुआ। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ भाजपा नेता उपेन्द्र सिंह तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रमुख समाजसेवी सीपी चाहर उपस्थित रहे। प्रतियोगिता में कुल 16 टीमों ने प्रतिभाग कर खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि वरिष्ठ भाजपा नेता उपेन्द्र सिंह ने विजेता टीम घासी



बाबा क्रिकेट क्लब, अकोला के कप्तान साहिल को ₹31,000 की पुरस्कार राशि प्रदान कर सम्मानित किया। वहीं, विशिष्ट अतिथि सीपी

चाहर ने उपविजेता पवावली क्रिकेट क्लब के कप्तान सरयेंद्र सिंह को ₹15,000 का पुरस्कार प्रदान किया। प्रतियोगिता के सफल आयोजन से क्षेत्र के युवाओं में

खासा उत्साह देखने को मिला। पूरे आयोजन के दौरान खिलाड़ियों ने खेल भावना, अनुशासन और उत्कृष्ट प्रदर्शन का परिचय दिया। आयोजकों ने प्रतियोगिता के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र की खेल प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने और युवाओं को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करने का प्रयास किया। समापन अवसर पर अतिथियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल युवाओं में अनुशासन, टीम भावना और नेतृत्व क्षमता विकसित करते हैं।

हिन्दी दैनिक

श्रमसाधना

आपकी दुःख की छाड़ी में

श्रमसाधना सदैव आपके साथ है

उठावनी/रसम पगड़ी का प्रकाशन

निःशुल्क

सम्पर्क करें

ग्वालियर

☎ 0751-2625029

☎ 9074257600

शिवपुरी

☎ 07492-232149

☎ 8251071286

E-mail : shramsadhnagwl@gmail.com

शारदा नवरात्रि मां दुर्गा के चरणों में सिर झुका कर भुवन विक्रम सिंह (केशु भैया राजा) ने किया प्रणाम अपनी मां व पूर्व विधायक श्रीमती आशारानी सिंह के साथ हवन पूजन कर जनता से किया सीधा संवाद

शारदा नवरात्रि के पावन पर्व पर आज क्षेत्र में भक्ति और श्रद्धा का अनुठा माहौल देखने को मिला। इस पावन अवसर पर आयोजित भव्य धार्मिक अनुष्ठान में पन्ना जिले की 58.पवई विधानसभा क्षेत्र में भुवन विक्रम सिंह (केशु भैया राजा) अपनी मां एवं पूर्व विधायक श्रीमती आशारानी सिंह के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंचकर विशेष

रूप से शिरकत की।

बुंदेलखंड के राजनैतिक सियासत में बेबाक शख्सियत भुवन विक्रम सिंह (केशु भैया राजा) के पिता स्व. कुं. अशोक वीर विक्रम सिंह (भैया राजा) पन्ना जिले की 58. पवई विधानसभा क्षेत्र से विधायक रहे और मां श्रीमती आशारानी सिंह छतरपुर जिले की 52.बिजावर विधानसभा

क्षेत्र से विधायक रही है।

शारदा नवरात्रि कार्यक्रम की शुरुआत पवई विधानसभा क्षेत्र में मंत्रोच्चार और शंखध्वनि के साथ हुई, जहां भुवन विक्रम सिंह (केशु भैया राजा) और पूर्व विधायक श्रीमती आशारानी सिंह ने मुख्य यजमान के रूप में बैठकर विधि विधान से हवन-पूजन संपन्न किया। उन्होंने यज्ञ कुंड में आहुतियां

डालकर क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली के लिए माता रानी से प्रार्थना की। आरती के बाद उपस्थित सभी श्रद्धालुओं को रक्षासूत्र बांधा गया और मां का पावन प्रसाद वितरित किया गया।

भव्य भंडारे का आयोजन और जनता से संवाद

ग्रामीण क्षेत्रों में हवन पूजन के उपरांत विशाल भंडारे (महाप्रसाद)

का आयोजन किया गया। जिसमें आस पास के गांवों और पूरे क्षेत्र से हजारों की संख्या में श्रद्धालु उमड़े। पवई विधानसभा क्षेत्र में भुवन विक्रम सिंह (केशु भैया राजा) ने भंडारे में शामिल होकर आम जनता के साथ बैठकर महाप्रसाद ग्रहण किया।

भुवन विक्रम सिंह (केशु भैया राजा) ने क्षेत्र की जनता और

प्रबुद्ध जनों से सीधा संवाद व वार्तालाप किया। उन्होंने लोगों से भेंट कर उनकी कुशल क्षेम जानी व क्षेत्र की समस्याओं तथा विकास कार्यों को लेकर खुलकर चर्चा की। इस मौके पर पूर्व विधायक श्रीमती आशारानी सिंह ने कहा कि धार्मिक आयोजन हमें आपस में जोड़ते हैं और जनता जनार्दन की सेवा ही सबसे बड़ी पूजा है।

समाजसेवी अरुल अरोरा के भंडारे में गूंजा जयकारा, महाप्रसादी के लिए लगी लंबी कतारें

नीमच, जीएनएस।

शारदीय नवरात्र के पावन पर्व पर महामाया भादवा माता के दरबार में आस्था का ऐसा अद्भुत रंग जमा कि हर कोई माता की भक्ति में सराबोर नजर आया। महाष्टमी के पावन अवसर पर सोमवार को नीमच के युवा समाजसेवी अरुल अरोड़ा द्वारा आयोजित विशाल भंडारे में अलसुबह से ही भक्तों का तांता लग गया। सुबह 10 बजे शुरू हुआ महाप्रसादी का यह सिलसिला देर रात तक अनवरत जारी रहेगा। दूर-दूर से पहुंचे हजारों श्रद्धालुओं ने माता के दर्शन के साथ-साथ इस भव्य भंडारे का प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ कमाया। समाजसेवी अरुल अरोरा द्वारा अष्टमी पर माताजी को हलवा चढ़ाया गया।

चार दिनों से निरंतर चल रहे धार्मिक अनुष्ठानों के बीच आज



चौथे यानी महाष्टमी के खास मौके पर युवा समाजसेवी अरुल अरोड़ा ने भादवा माता मंदिर पहुंचकर विधि-विधान से माता रानी की पूजा-अर्चना की। उन्होंने माता के चरणों में शीश नवाकर नीमच और प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, खुशहाली और आरोग्य की कामना की। इस दौरान मंदिर परिसर %जय माता दी% के जयकारों से गूंज उठा। भादवा माता मंदिर परिसर में

आयोजित इस विशाल भंडारे में भक्तों की सेवा का जिम्मा समाजसेवी अरुल अरोरा और उनकी टीम ने उठाया है। भंडारे की विशेषता यह है कि यह आयोजन पिछले चार दिनों से लगातार चल रहा है और महाष्टमी के दिन इसका उत्साह अपने चरम पर है।

भंडारे में आने वाले भक्तों के लिए शुद्ध घी से बनी गरमा-गरम पूरियां, सूजी का स्वादिष्ट हलवा,

मसालेदार चने का प्रसाद और लजीज आलू की सब्जी परोसी जा रही है।

अखंड सेवा- सुबह 10 बजे से शुरू हुई महाप्रसादी वितरण का यह महायज्ञ देर रात तक भक्तों की सेवा में समर्पित रहेगा, जिससे दूर-दराज से आने वाले किसी भी श्रद्धालु को भूखा न रहना पड़े।

महाष्टमी पर मां भादवा माता के दर्शन के लिए नीमच जिले के अलावा राजस्थान, गुजरात और अन्य पड़ोसी राज्यों से भी बड़ी संख्या में भक्त पहुंचे हैं। भारी भीड़ के बावजूद समाजसेवी अरुल अरोरा के सेवा शिविर और भंडारे के कारण श्रद्धालुओं को सुगमता से महाप्रसादी प्राप्त हो रही है। भक्तों ने इस भव्य और सुव्यवस्थित आयोजन के लिए समाजसेवी अरुल अरोड़ा और उनकी पूरी टीम की जमकर सराहना की है।

‘संघर्ष से शिखर तक’ पुस्तक का भव्य लोकार्पण



ग्वालियर, जीएनएस।

शहर के सिटी सेंटर स्थित होटल सेंट्रल पार्क में रविवार, 18 अक्टूबर को सायं 6-30 बजे एक ऐतिहासिक और भव्य पुस्तक विमोचन समारोह का आयोजन हुआ। सुप्रसिद्ध लेखक व वरिष्ठ पत्रकार श्री कुलदीप सेंगर द्वारा लिखित बहुप्रतीक्षित आध्यात्मिक व सामाजिक कृति %संघर्ष से शिखर तक- एक अनकही दास्तां...% का विमोचन देश के प्रतिष्ठित संतों और शीर्ष राजनेताओं के कर-कमलों द्वारा किया गया। यह पुस्तक अंचल के प्रख्यात ज्योतिषाचार्य आचार्य डॉ. सतेंद्र गुरु जी के प्रेरणादायी जीवन-संघर्ष, बेबाक खोजी पत्रकारिता और उनकी अलौकिक आध्यात्मिक यात्रा पर आधारित है। कार्यक्रम का आयोजन

%अखिल भारतीय भविष्य मंथन% (रजि.) संस्था द्वारा किया गया, जिसका कुशल संचालन स्वयं लेखक कुलदीप सेंगर ने किया। समारोह में श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर संत श्री रामदास जी महाराज (दंदरौआ धाम) एवं संत कृपाल सिंह जी महाराज का विशेष आशीर्वाद प्राप्त हुआ। पुस्तक के लेखक श्री कुलदीप सेंगर ने बताया कि इस कृति में आचार्य डॉ. सतेंद्र गुरु जी के छात्र राजनीति से लेकर %संजय विचार मंच% के राष्ट्रीय दायित्वों, दस्यु समस्या पर की गई उनकी बेबाक खोजी पत्रकारिता को समेटा गया है। साथ ही, एक भीषण सड़क दुर्घटना के बाद उनके जीवन में आए आध्यात्मिक मोड़ और साईं भक्ति को बेहद जीवंत रूप में पिरोया गया है।

रामनवमी पर हर्षोल्लास के साथ हुआ अनुग्रह अतिथि गृह का लोकार्पण

वृंदावन, जीएनएस।

रमण रेती स्थित अनुग्रह अतिथि गृह का लोकार्पण रामनवमी के पावन पर्व पर वैदिक विधि-विधान एवं हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। प्रख्यात भगवताचार्य भागवत भास्कर श्री कृष्ण चंद्र शास्त्री ठाकुरजी एवं इंद्रेश उपाध्याय द्वारा संस्थापित इस अतिथि गृह का उद्घाटन पीपा द्वाराचार्य बाबा बलराम दास महाराज ने वैदिक मंत्रोच्चार के मध्य फीता काटकर किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रभु से अतिथि गृह की निरंतर प्रगति एवं उन्नति की

कामना की। कार्यक्रम में हनुमंत आराधन मंडल द्वारा सुंदरकांड का पाठ किया गया। साथ ही संत, ब्रजवासी एवं विप्र सेवा के साथ वृहद भंडारे का आयोजन भी हुआ, जिसमें श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

इस अवसर पर हनुमंत आराधन मंडल के संचालक पुराणाचार्य डॉ. मनोज मोहन शास्त्री ने कहा कि अनुग्रह अतिथि गृह के लोकार्पण के अवसर पर हनुमानजी की आराधना की गई है। उन्हें पूर्ण विश्वास है कि बजरंगबली अपने बल एवं कृपा से इस

संस्थान को अनुप्राणित कर इसकी निरंतर प्रगति का मार्ग प्रशस्त करेंगे। प्रख्यात भगवताचार्य भागवत भास्कर श्री कृष्ण चंद्र शास्त्री ठाकुरजी ने कहा कि अनुग्रह अतिथि गृह अपनी उत्कृष्ट सेवाओं के माध्यम से सनातन धर्मावलंबियों को श्रीधाम वृंदावन से जोड़ने तथा उन्हें प्रभु भक्ति की ओर अग्रसर करने का कार्य करेगा। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह अतिथि गृह श्रद्धालुओं के लिए उपयोगी सिद्ध होगा और धर्म एवं भक्ति की भावना को प्रोत्साहित करेगा। कार्यक्रम में साहित्य एवं

संस्कृति मनीषी, यूपी रत्न डॉ. गोपाल चतुर्वेदी, हनुमंत आराधन मंडल के अध्यक्ष अशोक व्यास, भजन सम्राट बनवारी महाराज, प्रख्यात भगवताचार्य डॉ. श्याम सुंदर पाराशर, भगवताचार्य सुमंत कृष्ण शास्त्री, पंडित बनवारी लाल गौड़, पंडित श्याम सुंदर ब्रजवासी, आचार्य युगल किशोर कटारे, कमल नयन महाराज, चैतन्य किशोर कटारे, प्रदीप मणि महाराज, आचार्य घनश्याम दुबे, बुद्धिनाथ शास्त्री, विनय त्रिपाठी, आचार्य मृदुल कांत शास्त्री सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

॥ ॐ शान्ति ॥ **उठावनी शोक संदेश** ॥ ॐ शान्ति ॥

अत्यंत दुःखद हृदय के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि श्री भगवान सिंह रावत जी के सुपुत्र एवं वरिष्ठ भाजपा नेता श्री होतम रावत जी के अलु

श्री धर्मेन्द्र रावत जी
(निवासी- ग्राम चांदपुर)
का आकस्मिक निधन हो गया है।
उनके निधन से समस्त रावत परिवार एवं शुभचिंतकों में शोक की लहर है।

उठावनी कार्यक्रम

दिनांक : 20 अक्टूबर 2026 (मंगलवार) समय : दोपहर 3 बजे से 4 बजे तक निवास स्थान : विवेक विहार कॉलोनी, इबरा

आप सभी से विनम्र निवेदन है कि उठावनी कार्यक्रम में सम्मिलित होकर दिवंगत आत्मा को अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करें।

शोकाकुल : श्री भगवान सिंह रावत (पिताजी) श्री होतम रावत (भाजपा नेता - बड़े भाई) समस्त रावत परिवार एवं मित्रगण (ग्राम चांदपुर / इबरा)

तीन दिवसीय विशेष षट्चक्र ध्यान साधना सत्र का हुआ समापन

गुना, जीएनएस।

नवरात्रि के पावन अवसर पर गायत्री मंदिर में आयोजित तीन दिवसीय विशेष योग साधना एवं षट्चक्र ध्यान सत्र का समापन हुआ। सत्र में योग साधकों को मानव शरीर में वर्णित षट्चक्रों के महत्व, उनकी आध्यात्मिक अवधारणा तथा ध्यान साधना में उनकी भूमिका के बारे में विशेष जानकारी दी गई। साधकों ने जाना कि नियमित ध्यान, प्राणायाम और योगाभ्यास के माध्यम से मानसिक शांति, एकाग्रता, भावनात्मक संतुलन एवं आत्मजागरूकता को विकसित किया जा सकता है। योगाचार्य महेश पाल ने

बताया कि योग परंपरा में मूलाधार, स्वाधिष्ठान, मणिपुर, अनाहत, विशुद्ध, आज्ञा तथा सहस्रार चक्र को चेतना के विकास से जोड़कर देखा जाता है। नवरात्रि साधना में इन केंद्रों पर ध्यान करना आत्मअनुशासन, सकारात्मक विचारों और आंतरिक ऊर्जा के प्रति जागरूकता विकसित करने का एक महत्वपूर्ण माध्यम माना जाता है।

उन्होंने बताया कि मूलाधार चक्र का संबंध स्थिरता एवं सुरक्षा की भावना से, स्वाधिष्ठान चक्र का संबंध भावनाओं एवं सृजनात्मकता से, मणिपुर चक्र का संबंध आत्मविश्वास एवं



इच्छाशक्ति से, अनाहत चक्र का संबंध प्रेम एवं करुणा से, विशुद्ध चक्र का संबंध अभिव्यक्ति से तथा आज्ञा चक्र का संबंध एकाग्रता एवं आत्मचिंतन से जोड़ा जाता है। सहस्रार चक्र को योग परंपरा में उच्च आध्यात्मिक चेतना

और आत्मबोध का प्रतीक माना गया है।

योगाचार्य ने स्पष्ट किया कि आधुनिक विज्ञान में इन चक्रों को शरीर के अलग-अलग अंगों या शरीर के विभिन्न सिस्टमों ग्रंथियों के रूप में प्रमाणित भी किया गया

है। हालांकि, नियमित ध्यान और प्राणायाम व षट्चक्र ध्यान पर हुए वैज्ञानिक अध्ययनों में बताया गया है कि मूलाधार चक्र और मणिपूरक चक्र का संबंध पाचन तंत्र व नाभितंत्र से जुड़े रोगों से बचाव के लिए बही स्वाधिष्ठान चक्र का संबंध यूरिनरी सिस्टम से है अनाहत चक्र का संबंध ब्लड सर्कुलैटरी सिस्टम और रेस्पिरैटरी सिस्टम से माना जाता है विशुद्ध चक्र का संबंध थायरॉइड एवं गले से संबंधित रोगों में मदद करता है बही आज्ञा चक्र का संबंध तंत्रिका तंत्र से माना जाता है जब ऊर्जा का प्रभाव मूलाधार चक्र से होते हुए आज्ञा चक्र तक पहुंचता है

आज्ञा चक्र से सहस्रार चक्र तक ऊर्जा पहुंचती है तो योग साधक के अंदर आध्यात्मिक ऊर्जा विकसित होती है जिससे वह उसकी चेतना ईश्वरीय चेतना से जोड़ने लगती है कई साधकों में यह पाया गया है कि चक्रों के अभ्यास से तनाव कम करने, मानसिक स्वास्थ्य में सुधार तथा ध्यान और भावनात्मक संतुलन को बढ़ावा देने की संभावनाएं सामने आई हैं। इसलिए षट्चक्र ध्यान को आध्यात्मिक साधना के साथ-साथ मन को शांत करने और स्वयं के प्रति जागरूकता बढ़ाने के अभ्यास के रूप में अपनाया जा सकता है।

अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध मध्यप्रदेश पुलिस की प्रभावी कार्रवाई जारी

नीमच एवं धार में आठ खेतों में अवैध गांजे की खेती का पर्दाफाश, 34 किंटल से अधिक गांजे के हरे पौधे जब्त

भोपाल, जीएनएस।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन एवं पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाणा के निर्देशन में मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा अवैध मादक पदार्थों की खेती, तस्करी एवं कारोबार के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में नीमच एवं धार जिलों में पुलिस ने आठ खेतों में की जा रही गांजे की अवैध खेती का पर्दाफाश किया। कार्रवाई के दौरान 34 किंटल गांजे के 52 हजार से अधिक हरे पौधे जब्त किए गए। जब्त मादक पदार्थों का अनुमानित मूल्य 5 करोड़ 89 लाख 49 हजार रुपये है। दोनों जिलों में हथकड़ी एक्ट के तहत कुल आठ प्रकरण दर्ज किए गए हैं।

नीमच- चार खेतों से 2 करोड़ 79 लाख रुपये के गांजे के

हरे पौधे जब्त

नीमच जिले में पुलिस अधीक्षक श्री राजेश व्यास के निर्देशन में 16 अक्टूबर को थाना कुकड़ेश्वर, मनासा एवं रामपुरा के पुलिस बल की चार संयुक्त टीमों ने ड्रोन की सहायता से संदिग्ध क्षेत्रों की हवाई निगरानी की तथा मौके पर पहुंचकर भौतिक रूप से सघन सर्चिंग की। इस दौरान चार अलग-अलग खेतों में पत्थरों की ऊंची घेराबंदी एवं मक्का की फसल की आड़ में गांजे की अवैध खेती किए जाने का पता चला। पुलिस टीमों ने मौके पर कार्रवाई करते हुए 51 हजार हरे गांजे के पौधे, जिनका कुल वजन 27.95 किंटल है, जब्त किए। इनकी अनुमानित कीमत 2 करोड़ 79 लाख 50 हजार रुपये है। संबंधित भूमि स्वामियों एवं अवैध कब्जाधारियों



के विरुद्ध हथकड़ी एक्ट के तहत चार प्रकरण दर्ज किए गए हैं।

धार में ऑपरेशन 'प्रहार' के तहत चार खेतों से 3 करोड़ रुपये से अधिक के गांजे के पौधे जब्त

जिले में पुलिस अधीक्षक श्री सचिन शर्मा के निर्देशन में ऑपरेशन 'प्रहार' के तहत मनावर पुलिस ने ग्राम बोहारला, चौकी उमरबन क्षेत्र में 16 अक्टूबर को मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार

पर तीन पुलिस टीमों ने एक साथ अलग-अलग खेतों में कार्रवाई कर कपास एवं तुआर की फसल के बीच उगाए जा रहे 1,223 हरे गांजे के पौधे, जिनका वजन 1,621.98 किलोग्राम है, जब्त किए। इनकी अनुमानित कीमत लगभग 2 करोड़ 43 लाख रुपये है। मामले में हथकड़ी एक्ट की तहत तीन प्रकरण दर्ज किए गए हैं। इसी प्रकार ऑपरेशन 'प्रहार'

के तहत धार जिले में एक अन्य कार्रवाई में थाना बाग एवं पुलिस चौकी डेहरी की टीम ने ग्राम कनेरी के बैकल्यापुरा स्थित खेत में गांजे की अवैध खेती का पर्दाफाश किया।

17 अक्टूबर को मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने खेत में सर्चिंग की। इस दौरान कपास की फसल के बीच अवैध रूप से उगाए गए गांजे के 586 हरे पौधे, जिनका वजन 446.6 किलोग्राम है, जब्त किए। इनकी अनुमानित कीमत 66 लाख 99 हजार रुपये है। आरोपी के विरुद्ध थाना बाग में हथकड़ी एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया गया है। इस प्रकार धार जिले में दोनों कार्यवाहियों में पुलिस ने 3 करोड़ 9 लाख रुपये के 2068.58 किलोग्राम के 1809

गांजे के हरे पौधे जब्त किए हैं।

अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध कार्यवाही निरंतर जारी

मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा मादक पदार्थों की अवैध खेती, भंडारण, परिवहन एवं तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए निरंतर कार्यवाही की जा रही है। दुर्गम एवं वन क्षेत्रों में ड्रोन तकनीक तथा पुलिस बल की प्रत्यक्ष सर्चिंग के माध्यम से संदिग्ध गतिविधियों पर निगरानी रख मादक पदार्थों के अवैध कारोबार में सलिस व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है। मध्यप्रदेश पुलिस आम नागरिकों से अपील करती है कि मादक पदार्थों की अवैध खेती, तस्करी एवं अन्य गैरकानूनी गतिविधियों की जानकारी निकटतम पुलिस थाने अथवा पुलिस कंट्रोल रूम को दें। मादक पदार्थों के विरुद्ध अभियान को सफल बनाने में पुलिस का सहयोग करें।

मंत्री श्री कंधाना और मंत्री श्री शुक्ला ने ग्वालियर अस्पताल पहुंचकर घायलों का हाल जाना

भोपाल, जीएनएस।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर ग्वालियर के समीप शीतला माता मंदिर पर हुए हादसे के बाद कृषि मंत्री श्री एदल सिंह कंधाना एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री राकेश शुक्ला ने ग्वालियर में अस्पताल पहुंचकर घायल श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य का हाल जाना एवं चिकित्सकों से चर्चा कर सभी घायल श्रद्धालुओं का बेहतर इलाज करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही प्रशासनिक अधिकारियों से चर्चा कर घायलों के समुचित उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। उनके साथ क्षेत्रीय सांसद श्री भारत सिंह कुशवाह, जिला अध्यक्ष श्री जयप्रकाश राजौरिया, जनप्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित थे।

मंत्री द्वय एवं सांसद ने जयारोग्य चिकित्सालय के ट्रामा सेंटर में पहुंचकर उपचाररत सभी घायलों के स्वास्थ्य की जानकारी ली और उनके परिजनों से चर्चा की।



चिकित्सकों को घायलों के समुचित उपचार के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। उन्होंने घटना में मृत हुए लोगों के परिवारजनों के प्रति शोक संवेदनाएं व्यक्त कीं। ग्वालियर जिले के सातऊ स्थित शीतला माता मंदिर के मुख्य प्रवेश द्वार के पास शनिवार देर रात लगभग 1:30 बजे हुए दुःखद सड़क हादसे में 14 श्रद्धालुओं की मृत्यु हो गई, जबकि लगभग 42 श्रद्धालु घायल हुए हैं। दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल श्रद्धालुओं का जयारोग्य चिकित्सालय के ट्रामा सेंटर में विशेष उपचार किया जा रहा है। अन्य

घायलों का भी उपचार जारी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, आंतरी की ओर से आ रहा धान से भरा एक ट्रक अनियंत्रित होकर मंदिर के मुख्य प्रवेश द्वार से टकरा गया। इस दौरान प्रवेश द्वार के पास मौजूद श्रद्धालु ट्रक की चपेट में आ गए। घटना की सूचना मिलते ही जिला प्रशासन एवं पुलिस की टीम द्वारा घायलों को एम्बुलेंस के माध्यम से तत्काल जयारोग्य चिकित्सालय, ग्वालियर के ट्रामा सेंटर पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने तेजी के साथ उनका उपचार प्रारंभ किया।

आदर्श विद्यालयों से ही नई पीढ़ी संस्कारित होगी : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल, जीएनएस।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि आदर्श विद्यालयों से ही नई पीढ़ी संस्कारित होगी। शिक्षा के नए प्रकल्पों की शुरुआत इस दिशा में एक शुभ संकेत है। विद्यालय व्यक्तिगत मान अपमान के लिए नहीं होते हैं। यहां पर सब लोग एक समान रूप में शिक्षा ग्रहण करते हैं। गुरु सांदिपनि की परंपरा का निर्वहन करते हुए उज्जैन से कृष्ण और सुदामा की नई पीढ़ी निकलेगी। डॉ. यादव रविवार को उज्जैन के जियापुरा में विद्या भारती की मानव बाल कल्याण समिति (विद्याभारती) के द्वारा निर्मित होने वाले बहुउद्देशीय महाकालपुरम प्रकल्प के भूमि-पूजन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उज्जैन में महाअष्टमी के दिन शिक्षा के एक नए चरण की शुरुआत हो रही है। पहले से ही उज्जैन में दो सरस्वती शिशु मंदिर संचालित हो रहे हैं जो कि मध्यप्रदेश बोर्ड के अधीन हैं। यह नया प्रकल्प सीबीएसई के अनुसार शिक्षण



प्रदान करेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस प्रकल्प के लिए पूर्व में स्वीकृत किए गए 75 लाख के अलावा 1.25 करोड़ रुपये स्वीकृत करने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने महाकालपुरम का शिलान्यास एवं भूमि-पूजन किया।

इस अवसर पर संबोधित करते हुए सांसद श्री अनिल फिरोजिया ने कहा कि विद्या भारती ऐसी संस्था है जहां पर बच्चों को सर्वांगीण विकास होता है। सांसद श्री फिरोजिया ने कहा कि मैं भी सरस्वती शिशु मंदिर का छात्र रहा हूं। यह ऐसी संस्था है जो छात्रों को अच्छा आचरण, संस्कार व

नैतिकता का पाठ पढ़ाती है। इस अवसर पर क्षेत्रीय संगठन मंत्री विद्या भारती श्री अखिलेश मिश्रा, संत श्री श्याम गिरी महाराज (राधे-राधे बाबा), महापौर श्री मुकेश टटवाल, गृह निर्माण मंडल के अध्यक्ष श्री ओम जैन, उज्जैन विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री रवि सोलंकी, सिंहस्थ विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री जगदीश अग्रवाल, श्री राकेश पंड्या, मानव बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष श्री गजेन्द्र मेहता, मानव बाल कल्याण समिति के सचिव श्री योगेश, पूर्व विधायक श्री राजेन्द्र भारती एवं गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

जौरा उपजेल में दिव्यांगता परीक्षण एवं पहचान शिविर आयोजित

मुरैना, जीएनएस।

कलेक्टर श्री लोकेश कुमार जांगड़ के निर्देशानुसार एवं सामाजिक न्याय विभाग के उप संचालक तथा डिप्टी कलेक्टर श्री आर.के. सिन्हा के मार्गदर्शन में शनिवार को जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र एवं जिला दिव्यांग मेडिकल बोर्ड, मुरैना द्वारा जौरा उपजेल में दिव्यांगता परीक्षण एवं पहचान शिविर आयोजित किया गया। शिविर का उद्देश्य जेल में निरुद्ध बंदियों में संभावित दिव्यांगता की पहचान कर उन्हें आवश्यक चिकित्सकीय परीक्षण एवं पुनर्वास सेवाओं से जोड़ना था।

शिविर में जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र एवं जिला दिव्यांग

मेडिकल बोर्ड की विशेषज्ञ टीम द्वारा बंदियों का आवश्यकतानुसार परीक्षण एवं प्रारंभिक मूल्यांकन किया गया। इस दौरान शारीरिक, श्रवण, दृष्टि, मानसिक एवं बौद्धिक सहित विभिन्न प्रकार की संभावित दिव्यांगता की पहचान के लिए परीक्षण किए गए।

शिविर में कुल 05 बंदियों का परीक्षण किया गया। परीक्षण के दौरान सभी पांच बंदियों में दिव्यांगता के लक्षण अथवा संभावना पाए जाने पर उन्हें आगामी चिकित्सकीय परीक्षण एवं दिव्यांगता प्रमाण-पत्र संबंधी प्रक्रिया के लिए चिन्हित किया गया। संबंधित व्यक्तियों को नियमानुसार दिव्यांगता प्रमाण-पत्र,

विशिष्ट दिव्यांगता पहचान पत्र (यूडीआईडी) तथा आवश्यक पुनर्वास सेवाओं से जुड़ने के संबंध में मार्गदर्शन भी प्रदान किया गया। जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र के अधिकारियों ने बताया कि दिव्यांगता की समय पर पहचान एवं उचित मूल्यांकन से संबंधित व्यक्तियों को उनकी आवश्यकतानुसार पुनर्वास सेवाएं, सहायक उपकरण, दिव्यांगता प्रमाण-पत्र तथा शासन की दिव्यांगजन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने में सहायता मिलती है। शिविर में जौरा उपजेल अधीक्षक श्री बाबूलाल माहौर सहित चिकित्सकीय दल एवं पुनर्वास विशेषज्ञ उपस्थित रहे।

भूमि की उर्वरता, पर्यावरण एवं प्रकृति-संस्कृति संरक्षण का लिया संकल्प

मुरैना, जीएनएस।

मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के मार्गदर्शन एवं सहयोग से संचालित 'शक्ति से सृजन' अभियान के अंतर्गत मुरैना विकासखंड के ग्राम वरीपुरा में भूमि सुपोषण एवं प्रकृति-संस्कृति संरक्षण को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। नवांकुर संस्था मुरैना यूथ अकादमी के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में नवांकुर सखी महिलाओं ने पारंपरिक विधि-विधान से खेत में माटी पूजन कर भूमि की उर्वरता बनाए रखने एवं पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के विकासखंड समन्वयक श्री

अनिल मोदी ने कहा कि रासायनिक खादों एवं कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग तथा प्राकृतिक संसाधनों के अनियंत्रित दोहन से मिट्टी की प्राकृतिक उर्वरता प्रभावित होती है। माटी पूजन केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि धरती के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने और मृदा स्वास्थ्य के संरक्षण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने का माध्यम है। उन्होंने कहा कि भूमि की उर्वरता बनाए रखने के लिए प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण एवं उनका संतुलित उपयोग आवश्यक है।

नवांकुर संस्था के प्रतिनिधि श्री संदीप सेंगर ने कहा कि माटी पूजन भारतीय लोक परंपरा का अभिन्न अंग है। मिट्टी में मौजूद

सूक्ष्मजीव एवं केंचुए भूमि की उर्वरता बनाए रखने तथा प्राकृतिक जीवन चक्र को संतुलित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। धरती को स्वस्थ, उपजाऊ एवं प्रदूषणमुक्त बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

कार्यक्रम में ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति अजनौधा के अध्यक्ष श्री वीरेंद्र जाटव, नवांकुर सखी समूह की महिलाएं, किशोरी बालिकाएं, संस्था के कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में ग्रामीजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम के माध्यम से ग्रामीणों को भूमि संरक्षण, पर्यावरण संवर्धन तथा प्रकृति एवं सांस्कृतिक परंपराओं के संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया।



शक्ति वंदन

सामर्थ्य संवर्धन, राष्ट्र रक्षा और
सनातन सांस्कृतिक चेतना का
उद्घोष



नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री



डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

राज्य स्तरीय शस्त्र पूजन कार्यक्रम

मुख्य अतिथि

डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

20 अक्टूबर 2026 | डीआरपी लाइन, इंदौर

परंपरा से राष्ट्र गौरव तक

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में
भारतीय संस्कृति की गौरवशाली परंपराओं की समृद्धि
और राष्ट्र की सुरक्षा का पूर्ण हो रहा संकल्प

आत्मनिर्भरता से सामरिक उत्कर्ष

आधुनिक सैन्य क्षमताओं, स्वदेशी शस्त्रों
और सैन्य तकनीक के क्षेत्र में सशक्त और
आत्मनिर्भर हो रहा भारत

वीर सैनिकों के प्रति कृतज्ञता

देश की सीमाओं की रक्षा करने वाले, शौर्य और पराक्रम के प्रतीक
हमारे वीर सैनिकों को इस विशेष दिन शत-शत नमन

आइए, शस्त्र पूजन के इस पावन अवसर पर अपनी गौरवशाली संस्कृति को घर-घर तक पहुंचाने का संकल्प लें।
प्रदेशवासियों को विजयादशमी की हार्दिक मंगलकामनाएं

सीधा

प्रसारण



@Cmmadhyapradesh
@jansampark.madhyapradesh



@Cmmadhyapradesh
@jansamparkMP



jansamparkMP

D-11145/26